राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 06 दिसंबर 2023 वर्ष-6,अंक-311 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# कांग्रेस ने कहा- ईवीएम हैक, सपा को भी है शक; शिवसेना बोली- एक चुनाव हो जाए बैलेट से

चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद ईवीएम का मसला एक बार फिर से उठने लगा है। कांग्रेस के कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने इसे लेकर सवाल खड़े किए हैं। इसके अलावा संजय राउत ने भी ऐसा ही कहा है।

**नई दिल्ली।** मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद अब EVM फिर से चर्चा में है। कांग्रेस के सीनियर नेता दिग्विजय सिंह ने ईवीएम पर ही सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने इलेक्ट्ऱॉनिक वोटिंग मशीन पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस तो मध्य प्रदेश में बैलेट पेपर में 199 विधानसाओं में आगे रही है। उन्होंने यह तथ्य रखते हुए आशंक जताई कि चिप वाली किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मशीन को हैक किया जा सकता है। उन्होंने यह भी अपील है कि चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र को बचाएं। कमलनाथ ने ईवीएम को लेकर इशारों में ही सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, हम हारे और जीते हुए विधायकों से बात कर रहे हैं। नतीजों का हम विश्लेषण कर रहे हैं। कुछ विधायक आकर मुझसे मिले हैं। एक ने तो यहां तक कि उसे उसके ही गांव में महज 50 वोट ही मिले हैं। आखिर ऐसा कैसे संभव है? एग्जिट पोल्स भी सिर्फ

माहौल बनाने के लिए ही तैयार किए जाते हैं। यही

> इलेक्ट्ऱॉनिक वोटिंग मशीन पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस तो मध्य प्रदेश में बैलेट पेपर में 199 विधानसाओं में आगे रही है। उन्होंने यह तथ्य रखते हुए आशंक जताई कि चिप वाली किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मशीन को हैक किया जा सकता है। उन्होंने यह भी अपील है कि चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र को बचाएं।

नहीं कांग्रेस के सहयोगी दल सपा और उद्धव ठाकरे के गुट वाली शिवसेना ने भी ईवीएम पर सवाल उठाए हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने भी ईवीएम पर सवाल उठा दिए हैं। हालांकि उनके नेता अखिलेश यादव का कहना है कि कांग्रेस की इस हार की वजह यह है कि वह सबको साथ लेकर नहीं चली। वहीं एसटी हसन ने कहा कि ईवीएम से चुनाव के चलते यह नतीजा आया है। उनके अलावा उद्धव गुट के संजय राउत ने तो इस जीत को भाजपा की मानने से ही इनकार कर दिया है। संजय राउत का कहना है, चुनाव नतीजे चौंकाने वाले हैं। इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करते हैं। संजय राउत ने कहा कि यदि जनादेश किसी पार्टी के खिलाफ जाता है तो उसे स्वीकार करना होगा। मधय प्रदेश के नतीजे तो झटका देने वाले हैं। 4 में से तीन राज्यों में आए नतीजों को ईवीएम मैनडेट माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सारा खेल ईवीएम की वजह से हुआ है। यही नहीं उन्होंने भाजपा को अलग ही चुनौती देते हुए कहा कि आप एक चुनाव बैलेट पेपर पर करा कर देख लें और फिर नतीजा देख लेना। उन्होंने चुनाव आयोग से भी अपील की कि ईवीएम पर यदि लोगों को संदेह है तो उसका संज्ञान लिया जाए।

## समूचे भारत को एक करेगा अयोध्या का राम मंदिर- सद्गुरु ऋतेश्वर

**लखनऊ।** श्री आनंदम धाम ट्रस्ट वृंदावन के संस्थापक सदगुरु ऋतेश्वर महाराज ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर बन रहा भव्य राम मंदिर आत्मिक रूप में समूचे भारत को एक करेगा। उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण मंदिर नहीं बन रहा है। भारतीय आत्मा के मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसमें भारत की आत्मा प्रतिष्ठित हो रही है। ऋतेश्वर महाराज ने कहा कि मंगलवार को हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि 492 साल बाद हमको अयोध्या में न्याय मिला है। यह भारत की आत्मा की जीत है। यह मंदिर केवल राजस्थान के मंदिरों का नहीं है। इससे विराट संदेश पूरे भारत में जाएगा। उन्होंने कहा कि यह भारत का दुर्भाग्य है कि हमें भगवान राम, भगवान श्रीकृष्ण और भगवान शिव के स्थलों को साबित करना पड़ रहा है। किसी विदेशी से भी पूछेंगे तो वह बता देगा कि राम अयोध्या और श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ है।

सद्गुरु ऋतेश्वर ने कहा कि राम मंदिर के लिए 492 वर्ष लग गए लेकिन अब श्री कृष्ण जन्मभूमि के मंदिर के लिए 492 दिन भी नहीं लगेंगे। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुक्ति अभियान से हम स्वयं भी जुड़े हैं लेकिन हमें श्रेय नहीं चाहिए। सनातन के उत्थान के लिए ही संतों का जीवन होता है। तीन राज्यों में भाजपा को मिली जीत पर उन्होंने कहा कि जो राष्ट्र की, सनातन की व विकास की बात करेगा उसी को देश की जनता वोट करेगी। जाति व धर्म से देश ऊपर उठ चुका है। 2024 में इसका व्यापक असर पड़ेगा। सदगुरु ने कहा कि ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि सनातन का उत्थान होगा और भारत जगद्गुरु बनेगा। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में शत प्रतिशत मतदान हो, इसके लिए वह देशभर में जागरूकता अभियान चलाएंगे।

## हार के बाद ईवीएम पर बोले दिग्विजय, चिप वाली कोई भी मशीन की जा सकती है हैक

**भोपाल।** मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य की बहुत सी सीटों पर पार्टी को मिले डाक मतपत्रों की संख्या सार्वजनिक करते हुए कहा कि वे 2003 से ईवीएम का विरोध करते आ रहे हैं और उनका मानना है कि चिप वाली कोई भी मशीन हैक की जा सकती है।

श्री सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ये आंकड़े पोस्ट किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा , डाक मतपत्रों के ज़रिए कांग्रेस को वोट देनेवाले और हम पर भरोसा जतानेवाले सभी मतदाताओं का धन्यवाद ! तस्वीरों के आँकड़ों में एक प्रमाण है जो यह बताता है कि पोस्टल बैलेट के ज़रिए हमें यानी कांग्रेस को 199 सीटों पर बढ़त है। जबकि इनमें से अधिकांश सीटों पर ईवीएम काउंटिंग में हमें मतदाताओं का पूर्ण विश्वास न मिल सका। यह भी कहा जा सकता है कि जब तंत्र जीतता है तो जनता (यानी लोक) हार जाती है। हमें गर्व है कि हमारे ज़मीनी कार्यकर्ताओं ने जी जान से कांग्रेस के लिए काम किया और लोकतंत्र के प्रति अपने विश्वास को पुख़्ता किया।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा है कि वे 2003 से ईवीएम से वोटिंग का विरोध कर रहे हैं। कोई भी ऐसी मशीन जिसमें चिप लगी हो, वो हैक की जा सकती है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि क्या हम अपने लोकतंत्र पर प्रोफ़ेशनल हैकर्स का नियंत्रण चाहते हैं। इस सवाल पर सभी राजनीतिक दलों को चिंतन करना होगा।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस 2003 से सत्ता से बाहर है। वर्ष 2018 में 15 महीने के लिए कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बनी थी, लेकिन मार्च 2020 के बाद से फिर राज्य में भाजपा का शासन हो गया।

## लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ ईडी ने शुरू की जांच

### गैंगस्टर के करीबियों के 13 ठिकानों पर छापेमारी

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ धन शोधन मामले में जांच शुरू कर दी है। इस सिलसिले में ईडी ने मंगलवार को हरियाणा और राजस्थान में कई स्थानों पर छापे मारे। केंद्रीय जांच एजेंसी धन शोधन रोकथाम कानून के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच में 2 राज्यों में करीब 13 जगहों पर तलाशी ले रही है। अभी जेल में बंद बिश्नोई पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या मामले के आरोपियों में से एक है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने गैंगस्टर के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज की हैं और आरोप पत्र दाखिल किए हैं। प्रवर्तन निदेशालय इसी आधार पर यह कार्रवाई कर रहा है। बिश्नोई गैंग भारत के भीतर और विदेशी धरती पर बड़े पैमाने पर अवैध गतिविधियों में शामिल रहा है। इसमें ड्रग्स व हथियारों की तस्करी, खालिस्तान

समर्थक तत्वों की सहायता, जबरन वसूली और टारगेटेड हत्याएं करना शामिल है। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई भारत में जबरन वसूली और तस्करी के जरिए मिले धन को कनाडा और अन्य देशों में भेज रहा था। यह पैसा फिल्मों, कनाडाई प्रीमियर लीग, थाईलैंड में क्लबों और बार में भी निवेश किया गया था। ईडी मनी लॉन्ड्रिंग केस में जांच के तौर पर इन सभी निवेशों पर नजर रखे हुए है।

**हवाला के जरिए पैसे कनाडा और थाइलैंड भेजने का आरोप**

एनआईए ने बिश्नोई और दूसरों के खिलाफ दायर आरोपपत्र में 2019 से 2021 तक के 13 मामलों को लिस्टेड किया है, जिसमें गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की ओर से हवाला के जरिए 5 लाख रुपये से 60 लाख रुपये तक की राशि कनाडा व थाइलैंड में भेजी गई थी। जांच एजेंसियां यह पहले ही बता चुकी हैं कि बिश्नोई ने अपने डिप्टी सतविंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ के माध्यम से कनाडाई धरती से संचालित खालिस्तानी समूहों (खासकर बब्बर खालसा इंटरनेशनल नेता लखबीर सिंह लांडा) के साथ मिलकर काम किया।

## नीतीश के मंत्री की एस्कॉर्ट गाड़ी का एक्सीडेंट, सिपाही की मौत, 4 पुलिसकर्मी घायल

**रोहतास।** बिहार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान की एस्कॉर्ट गाड़ी देर रात हादसे का शिकार बन गई। रोहतास के परस्थुआ थाना इलाके में एस्कॉर्ट गाड़ी ने ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। जिससे गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। हादसे में ड्राइवर जमालुद्दीन खान की मौत हो गई है। जबकि चार पुलिसकर्मी घायल हो गए है। जिसमें दो महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। जिनका इलाज सासाराम के सदर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के मुताबिक मंत्री जमा खान मंत्री कैमूर में अपने गृह क्षेत्र चैनपुर का दौरा करने आए थे और पटना लौट रहे थे। पुलिस लाइन डेहरी से रोहतास पुलिस की एक टीम मंत्री को एस्कॉर्ट कर रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुलिस एस्कॉर्ट जीप मंत्री की तेज

रफ्तार एसयूवी से टक्कर लेने की कोशिश कर रही थी, तभी ड्राइवर का संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी पलट गई। एस्कॉर्ट जीप चला रहे नोखा के मेयारी बाजार निवासी होम गार्ड कांस्टेबल जमालुद्दीन खान (55) थे। की मौके पर ही मौत हो गई और चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों को कोचस के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें सासाराम के जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शाहाबाद के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) नवीन चंद्र झा और एसपी विनीत कुमार और सिविल सर्जन डॉ. केएन तिवारी ने घायल पुलिसकर्मियों से मुलाकात की। एसपी ने कहा कि पुलिसकर्मी खतरे से बाहर हैं और सासाराम के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को दुर्घटना के पीछे के कारणों की जांच करने का निर्देश दिया गया है।

## बंगाल-कर्नाटक का राशन कार्ड बनवा लें गुंडे; सीएम दावेदारी के बीच बालकनाथ का वीडियो वायरल

**जयपुर।** राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारों की लंबी लिस्ट बन चुकी है। वसुंधरा राजे और गजेंद्र सिंह शेखावत समेत आधे दर्जन नामों पर अटकलें चल रही हैं। इनमें अलवर के तिजारा से विधानसभा का चुनाव जीतने वाले सांसद बाबा बालकनाथ की भी खूब चर्चा हो रही है। राजस्थान के योगी कहे जाने वाले बालकनाथ को लेकर कहा जा रहा है कि भाजपा उत्तर प्रदेश की तरह राजस्थान में भी एक भगवाधारी महंत को मुख्यमंत्री बना सकती है।

हिंदुत्ववादी अजेंडे पर आक्रामक तरीके से बोलने वाले फायरब्रांड नेता बाबा बालकनाथ को लेकर सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा हो रही है। उनकी तस्वीरें और प्रचार के दौरान दिए गए उनके भाषणों के अंश भी खूब वायरल हो रहे हैं। बालक नाथ का वह वीडियो भी खूब

पसंद किया जा रहा है जिसमें वह राजस्थान के गुंडों को प्रदेश छोड़ने की चेतावनी दे रहे हैं। इस वीडियो में बालकनाथ कहते हैं कि गुंडे बंगाल या कर्नाटक (गैर भाजपा शासित) का राशन कार्ड बनवा लें।

**क्या है वीडियो में?**

वायरल वीडियो में बाबा बालकनाथ कहते हैं, मैं कहना चाहता हूं उन सब लोगों से, इन गुंडे, मवाली, बदमाशों, प्रॉपर्टी के दलालों से, इन कांग्रेस के भ्रष्टाचारी नेताओं से, समय से अपना राशन कार्ड बंगाल का, कर्नाटक का बनवा लो। बीजेपी की सरकार आने वाली है। तुम लोगों को राजस्थान में छुपने की जगह नहीं मिलेगी। एक एक अपराधी को, जिन लोगों ने हमारी माताओं-बहनों की इज्जत को सरेआम किया है, उनको सजा दिलाकर हम राजस्थान की जनता को न्याय दिलाने का काम करेंगे।

**सोशल मीडिया पर सीएम बनाने की मांग, ट्रेंड में बाबा**

राजस्थान में चुनाव नतीजे सामने आने के बाद से ही बहुत से युवाओं और हिंदुत्ववादी विचारधारा के लोगों ने बाबा बालकनाथ को मुख्यमंत्री बनाने के लिए सोशल मीडिया पर वकालत शुरू कर दी है। रविवार से ही बाबा लगातार ट्रेंड में बने हुए हैं। एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल सर्वे में भी बाबा बालकनाथ का नाम अशोक गहलोत के बाद दूसरे नंबर पर जनता की पसंद के तौर पर सामने आया था।

# मिचौंग ने मचाई तमिलनाडु में आफत, अब इन तीन राज्यों में बदलेगा मौसम; यूपी दिल्ली तक असर

**नई दिल्ली।** चेन्नै में भारी बारिश और तूफान से तबाही मचाने वाले मिचौंग चक्रवात ने अब आंध्र प्रदेश का रुख कर लिया है। मौसम विभाग के मुताबिक चेन्नै में आज बारिश धीमी हो सकती है। इससे थोड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों का आज से सुचारू रूप से संचालन शुरू हो सकता है। सोमवार को भी तमिलनाडु और आंध्र में भारी बारिश हुई थी, लेकिन अब कुछ राहत की संभावना है। आज दोपहर में किसी भी वक्त मिचौंग साइक्लोन आंध्र प्रदेश के तट पर पहुंच सकता है। इसके अलावा ओडिशा और झारखंड तक इसका असर दिखने की संभावना है। यही नहीं खास बात यह है कि इससे यूपी, बिहार और दिल्ली तक असर दिखेगा।

**दिल्ली-यूपी में कोई नुकसान नहीं, पलूशन घटने से फायदा ही**

हवा की गति तेज होने से पश्चिम यूपी, दिल्ली और हरियाणा के कई शहरों में पलूशन का लेवल कम हो सकता है। मंगलवार को दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में खुली धूप निकली है और हवा की गति तेज है। मौसम विभाग का मानना है कि मिचौंग तूफान के असर से ऐसी स्थिति बन रही है। इस तरह आने वाले कुछ दिन राहत भरे हो सकते हैं। दिल्ली के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम में खिली हुई धूप निकली है। लंबे समय बाद दिल्ली में ऐसा मौसम देखने को मिला है और पलूशन का लेवल भी कम है।

**चेन्नै में 8 लोगों की मौत, आज मिल सकती है थोड़ी राहत**

चेन्नै पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक शहर में मिचौंग के चलते हुई

घटनाओं में 8 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार को तमिलनाडु के सबसे ज्यादा प्रभावित 10 जिलों में कल के मुकाबले धीमी बारिश होगी। इससे कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। इन जिलों में चेन्नै, तिरुवल्लूर, चेंगालपट्टू, कांचीपुरम, रानीपेट, वेल्लोर आदि शामिल हैं। इस बीच आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। यहां भारी बारिश से नुकसान की आशंका है। इन जिलों में तिरुपति, नेल्लोर, प्रकासम, बापाटला, कृष्णा, वेस्ट गोदावरी, कोणासीमा और काकिंडा शामिल हैं।

चेन्नई में भारी बारिश से तबाही मचाने वाले मिचौंग का दिल्ली पर क्या असर

आंध्र में टीमें तैयार, झारखंड तक दिखेगा मिचौंग का असर

इस बीच राज्य के सीएम जगनमोहन रेड्डी का कहना है कि उन्होंने टीमों को अलर्ट रहने का आदेश दिया है। सभी जिलों के लिए 2-2 करोड़ रुपये का फंड जारी किया गया है। मंगलवार दोपहर को बापाटला में साइक्लोन की लैंडिंग हो सकती है। मिचौंग के असर से ओडिशा और झारखंड में भी भारी होने की उम्मीद है। मौसम विभाग का कहना है कि झारखंड में 7 दिसंबर तक अच्छी बारिश हो सकती है। इसके अलावा मंगलवार से ही हल्की बारिश शुरू हो जाएगी, जो अगले दो दिनों में तेज हो सकी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

# मिजोरम का फैसला

सारा ध्यान चार राज्यों पर ही था, इसलिए पूर्वोत्तर के छोटे से राज्य मिजोरम की चर्चा हमारे चुनावी-विमर्श में बहुत ज्यादा जगह नहीं पा सकी। यहां मतगणना एक दिन बाद होने से नतीजे व्यापक चर्चा में जगह पा सके हैं। शुरू से ही मिजो लोगों का जो रुख था, वह यही बता रहा था कि इस राज्य में सत्ता-परिवर्तन लगभग तय है। पिछले चुनाव के कुछ पहले ही बनी पार्टी जोराम पीपुल्स मूवमेंट, यानी जेडपीएम को काफी समय से आगे बताया जा रहा था। हालांकि, इसमें शक था कि वह अपने बूते सरकार बना पाने की स्थिति में शायद न रहे और उसे कांग्रेस का समर्थन लेना पड़े, पर ऐसी नौबत नहीं आई। बाकी चारों राज्यों की तरह ही मिजोरम की जनता ने भी स्पष्ट जनादेश दिया और जेडपीएम को बहुमत से कहीं ज्यादा सीटें दे दीं। यह विधानसभा चुनाव उस समय हुआ है, जब पड़ोसी राज्य मणिपुर पिछले लंबे समय से जातीय हिंसा में झुलस रहा है और उसकी आंच मिजोरम के राजनीतिक तेवर में लगातार झलकती रही है। एक तरफ, मणिपुर से जान बचाकर भागे हजारों कुकी लोगों ने मिजोरम में शरण ली हुई है, तो दूसरी तरफ, यह समस्या राज्य के राजनीतिक समीकरणों में भी उलट-पुलट कर रही है। पिछले पांच साल में यहां मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार थी, जो इसके साथ ही केंद्र में एनडीए गठजोड़ का हिस्सा थी, लेकिन मणिपुर समस्या ने फ्रंट को एक तरह से इस गठजोड़ से अलग कर दिया। जब इस मुद्दे पर विपक्षी दल नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए, तो फ्रंट के एकमात्र सांसद ने इस पर विपक्ष के साथ वोट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी पार्टी के नेता यही कहते रहे कि उनका भाजपा से कोई नाता नहीं है। वैसे, यह राजनीति भी काम नहीं आई और अपने निर्वाचन क्षेत्र में मुख्यमंत्री जोराम थंगा भी चुनाव हार गए। हालांकि, कारण सिर्फ मणिपुर की समस्या नहीं है। उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के बहुत आरोप थे। जेडपीएम के नेता लल्दूहोमा ने अपनी सभाओं में इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। चुनाव जीतने के बाद भी उन्होंने भ्रष्टाचार खत्म करने को अपनी पहली प्राथमिकता बताया है। इस राज्य में भाजपा का दांव बहुत बड़ा नहीं था। 2018 में पार्टी का एक उम्मीदवार ही चुनाव जीता था, वह भी ऐसा उम्मीदवार था, जो कांग्रेस से दल-बदल करके पार्टी में शामिल हुआ था। इस बार की तरह तब राज्य में माहौल भाजपा के खिलाफ नहीं था। इस बार भाजपा ने ज्यादा सीटों पर उम्मीदवार भी नहीं लड़ाए। पार्टी के केंद्रीय नेताओं ने राज्य के बहुत ज्यादा चुनावी दौरे भी नहीं किए, फिर भी पार्टी अपने दो उम्मीदवारों को चुनाव जितवाने में कामयाब रही। भाजपा ने उस कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया, जो कभी मिजो राजनीति की एक बड़ी खिलाड़ी थी। 2018 से पहले तक वहां लगातार दस साल कांग्रेस की सरकार रही थी। 2018 के चुनाव में जेडपीएम के उभार ने उसे विधानसभा में तीसरे नंबर की पार्टी बना दिया था। पिछले दिनों जब राहुल गांधी आईजोल गए, तो वहां उमड़ी भीड़ से बहुत से लोगों ने यह अनुमान लगाए कि यहां कांग्रेस की सत्ता में वापसी हो सकती है। अब जब नतीजे सामने आ गए हैं, तब कांग्रेस मिजोरम में चौथे नंबर की पार्टी हो गई है। अब यहां से उसकी सत्ता में वापसी आसान नहीं होगी। अब उत्तर भारत में कांग्रेस की जो स्थिति है, पूर्वोत्तर भारत में उसकी स्थिति उससे बहुत अलग नहीं है। धीरे-धीरे पूर्वोत्तर में मजबूत हुई भाजपा के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में उम्मीदें बढ़ गई हैं।

## आज का राशिफल

| | |
|---|---|
| मेष | पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है। |
| वृषभ | व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। |
| मिथुन | आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। |
| कर्क | राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। |
| सिंह | पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे। |
| कन्या | जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। |
| तुला | गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। |
| वृश्चिक | व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। |
| धनु | पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। |
| मकर | बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे। |
| कुम्भ | जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। |
| मीन | पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे। |

# जन 'मन' की थाह न ले पाया कोई

हेमंत पाल

मध्य प्रदेश के चुनाव नतीजों ने उन सारे अनुमानों को पलट दिया, जो इस बार बीजेपी के सत्ता से बाहर जाने की संभावना जता रहे थे। निस्संदेह, परिणामों से खुद भाजपा भी अचरज में होगी! जनता के मन में जो था, वो भाजपा के अनुमानों से भी अलग निकला। मध्य प्रदेश में बीजेपी फिर सरकार बनाएगी, इस बात के आसार तो पार्टी को थे, पर उसके इस विश्वास में कहीं न कहीं शंका-कुशंका थी। निस्संदेह, 18 साल से ज्यादा लंबे शासनकाल में एंटी इंकम्बेंसी फैक्टर को भी सोचकर चला जा रहा था। बीजेपी के नेताओं को लगा कि जनता की खामोशी कहीं उनके खिलाफ न जाए! लेकिन जो नतीजे सामने आए और बीजेपी को जितनी सीटें मिलीं, वो उसके अनुमान से कहीं ज्यादा मानी जाएंगी। इसलिए कि बीजेपी को कांटाजोड़ मुकाबले में 130 से 135 सीटों का अनुमान था, पर आंकड़ा 160 से आगे तक पहुंच जाएगा, ये सोचा नहीं गया था। वास्तव में जो हुआ, वो राजनीतिक जानकारों के लिए एक शोध का विषय हो सकता है कि इतने लंबे शासनकाल के बाद भी कोई पार्टी जनता के दिल में कैसे बसी हुई है! जबकि, पड़ोसी छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मतदाताओं ने बाजी पलट दी। मध्य प्रदेश में सरकार वापसी के लिए पार्टी ने इस बार हरसंभव प्रयास किए। सबसे बड़ा प्रयोग यह था कि पार्टी के एक राष्ट्रीय महासचिव के अलावा सात सांसदों को भी चुनाव लड़ाया गया। इनमें अधिकांश वे सीटें थीं, जहां से बीजेपी पिछले दो या तीन चुनाव हारी थी। अधिकांश जगह बीजेपी की स्थिति इस बार भी बेहतर नहीं बताई गई थी। तभी यहां सांसदों को चुनाव लड़ाया गया और नतीजा अच्छा रहा। जहां सांसदों को मैदान में उतारा गया, उन जिलों में बीजेपी का प्रदर्शन बेहतर रहा। चुनाव की घोषणा से पहले 39 उम्मीदवारों की घोषणा करना भी बीजेपी की एक महत्वपूर्ण चुनाव रणनीति का हिस्सा रहा। लेकिन, फिर भी कहीं न कहीं पार्टी के मन में जीत को लेकर सवाल तो थे! राजनीतिक पंडित भाजपा की सीटों के कम होने व कांग्रेस की बढ़त के आकलन कर रहे थे। अब सवाल यह कि एंटी इंकम्बेंसी फैक्टर का क्या हुआ? मतदाताओं में इतने साल बाद भी भरोसा क्यों रहा कि उसके लिए बीजेपी का ही सरकार में बने रहना जरूरी है। कह सकते हैं कि कांग्रेस सारी कोशिशों के बाद भी लोगों का भरोसा नहीं जीत सकी। हकीकत तो यह है कि कांग्रेस की हार के लिए कोई और नहीं खुद कांग्रेस ही जिम्मेदार है। दरअसल, कांग्रेस सिर्फ भाजपा की गलतियों में ही अपनी जीत को ढूंढ़ने की कोशिश में थी। कांग्रेस के नेता हमेशा यही देखते रहे कि भाजपा कहां गलती कर रही है और उसे कैसे पटखनी दी जाए! खुद को आगे बढ़ाने या जनता का विश्वास जीतने के लिए उतने गंभीर प्रयास नहीं किए, जितने किए जाने चाहिए। जबकि, चुनाव जीतने के लिए प्रतिद्वंद्वी पार्टी को पीछे छोड़ने के अलावा खुद के आगे बढ़ने का माद्दा भी होना चाहिए, जो कांग्रेस नहीं कर सकी। कांग्रेस के पास भविष्य की जनहितकारी योजनाओं का कोई ठोस खाका भी नहीं था। यहां तक कि बीजेपी की 'लाड़ली बहना योजना' से मुकाबले के लिए कांग्रेस ने भी योजना की घोषणा की, पर वो विश्वास के धरातल पर खरी नहीं उतरी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुछ महीने पहले 'लाड़ली बहना योजना' की बड़ी घोषणा की थी। इस योजना ने प्रदेश में बीजेपी की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह योजना एक तरह से 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हुई। साल भर पहले बीजेपी को ये अंदाजा हो गया था कि इस बार का चुनाव आसान नहीं है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री ने गरीब महिलाओं को हर महीने हजार रुपये देने की घोषणा की और इसे आगे बढ़ाकर तीन हजार करने का भरोसा दिलाया। इसका व्यापक असर हुआ। 'लाड़ली बहना योजना' ने न सिर्फ बीजेपी की स्थिति को संभाला, बल्कि आसमान फाड़ जीत भी दिला दी। शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं की एक सभा में मंच पर घुटनों के बल बैठकर इस योजना की घोषणा की थी। इसमें बीजेपी ने प्रदेश की 1.32 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को पहले 1000 रुपये फिर 1250 रुपये महीने देना शुरू किया। यही नहीं, लाड़ली बहनों को घर देने तक का ऐलान किया। महिलाओं को फायदा होने का मतलब है कि परिवार को फायदा। इस योजना ने एक परिवार के औसतन 5 वोट पर असर डाला जो सीधे बीजेपी के खाते में गए। जबकि, पहले कहा जा रहा था कि बीजेपी जीत के प्रति आश्वस्त नहीं थी। लेकिन, बीजेपी को महिलाओं की इस योजना ने जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योजना के प्रचार के तरीके ने अपना अलग असर छोड़ा। इस बार चुनाव में कांग्रेस के पिछड़ने का एक सबसे बड़ा कारण यह भी रहा कि उसकी मध्य प्रदेश की राजनीति पूरी तरह दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर केंद्रित रह गई है। पार्टी की राजनीति के हर फैसले उनके अनुरूप रहे। किसी भी तीसरे नेता या यूथ लीडरशिप को कांग्रेस ने आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया। यहां तक कि यूथ कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया भी इसलिए बनाए गए कि वे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया के बेटे हैं। कांग्रेस ने इस आदिवासी युवा को अध्यक्ष बनाकर बताने की कोशिश जरूर की कि वो आदिवासियों के प्रति संवेदनशील है। लेकिन, यूथ लीडरशिप में जो जुझारूपन होना चाहिए, वो उनमें कहीं नजर नहीं आया। भूरिया झाबुआ तक सीमित होकर रह गए। इसके विपरीत बीजेपी के पास एक दर्जन से ज्यादा ऐसे युवा नेता हैं, जो पार्टी का नेतृत्व करने में सक्षम हैं। वहीं भाजपा किसी भी नेता को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में सामने नहीं लायी। चार बार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शासन में चुनाव लड़ा गया, वे पार्टी के स्टार प्रचारक भी रहे, उनकी योजनाओं और उनकी ही चुनावी योजनाओं पर चुनाव लड़ा गया, लेकिन वे मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किए गए। पार्टी ने चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष भी केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर को बनाया। इसके अलावा भाजपा ने कई समितियां बनाकर यह चुनाव लड़ा। निस्संदेह, भाजपा रणनीतिक तौर पर कांग्रेस से बहुत आगे रही। साथ ही जनता को यह विश्वास दिलाया कि मध्य प्रदेश और यहां के लोगों के हित के लिए भाजपा का चुनाव जीतना ज्यादा जरूरी है। फलतः भाजपा ने सरकार बनाने लायक बहुमत से आगे जाकर सम्मानजनक आंकड़ा पा लिया। जबकि, कांग्रेस में दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ही रणनीति बनाते और चुनाव लड़ाने के साथ खुद भी सार्वजनिक रूप से लड़ते रहे। निस्संदेह, बीजेपी की इस जीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने प्रदेश में धुआंधार जनसभाएं कीं। आदिवासी इलाके झाबुआ, अलीराजपुर के अलावा मालवा-निमाड़ में जहां भी कांग्रेस को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, वहां नरेंद्र मोदी की जनसभाओं ने मतदाताओं को प्रभावित करने में कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के बारे में कहा जाता है कि वो हर राज्य में अलग रणनीति के साथ आगे बढ़ती है। किसी राज्य में वो मुस्लिम वोटों को लुभाने की कोशिश करती है, तो किसी राज्य में 'सनातन' के आधार पर वोट पाने की रणनीति अपनाती है। निस्संदेह, कमलनाथ हनुमान जी के भक्त हैं। लेकिन, वे सिर्फ चुनाव के दौरान ही अपनी भक्ति दिखाते हैं। वहीं दिग्विजय सिंह अपनी मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति के कारण कई बार आलोचनाओं का शिकार हो चुके हैं। ये और ऐसे बहुत से कारण हैं जो कांग्रेस की हार और भाजपा की जीत का कारण बने। अब कांग्रेस को आत्ममंथन करना होगा कि उनकी हार के असली कारण क्या रहे!

लेखक मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# जीवन व मृत्यु में सिर्फ सांसो का फासला ?

(लेखक-नरेंद्र भारती)

जीवन और मृत्यु में सिर्फ सांसों का फासला है। आज का इंसान साम,दाम दंड ,भेद जैसी नापाक नीतियां अपनाकर रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है।मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिए।मानव जीवन एक बार ही मिलता है बार-बार नहीं मिलता।जीवन में कुछ एक ऐसे कार्य करने चाहिए कि समाज एक इंसान के रुप में सदा याद करता रहे।आधुनिक इंसान पता नहीं किस गलतफहमी में जी रहा है कि सदा ऐसे ही चलती रहेगी।मौत एक अटल सच्चाई है। आदमी ही आदमी से भेदभाव करता है मगर मौत कोई भेदभाव नहीं करती।जिन्दगी एक बार मिलती है फिर यह नफरत क्यों की जा रही है।इंसान को इंसानियत नहीं भूलनी चाहिए।हर इंसान से एक जैसा व्यवहार करना चाहिए।सादा जीवन जीना चाहिए।समाज में कुछ लोग ऐसे है जो गरीबों को इंसान नही नहीं समझते मगर अब हर आदमी आत्म निर्भर हो गया है। अब वह समय नहीं रहा कि किसी आदमी का प्रयोग करो और छोड़ दो। कैसी विडम्बना है कि जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से रुखस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें है। जिन्होने जब जिन्दा था तो बात तक नहीं की होंगी। जब जीता है तो एक जोड़ी कपड़ा तक नसीब नहीं होता मगर जब उसके किसी काम का नहीं होता उसके मृत शरीर पर सैंकड़ों चादरें डाली जाती है।जीते जी जिसे घी नहीं मिलता जलाती बार मुहं में शुद्व देशी घी की आहुती दी जाती है जो व्यर्थ है।कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की जीते जी सहायता कि जाए तो वही सच्ची मानवता कहलाएगी।आज लोगों के पास समय नहीं है इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिये समय नहीं है। हर समय पैसा ही पैसा कमाने मे व्यस्त रहता है।अनैतिक तरीकों से धन कमा रहा है मगर मानव को यह पता है कि दुनिया में नंगा आया था नंगा ही जाएगा तो यह धन-दौलत का लालच क्यों कर रहा है। गलत काम करके पैसा अर्जित करके आलिशान महल बना रहा है मगर पल की खबर नहीं है। आज कुछ तथाकथित अमीर बने लोग कारों में बैठकर ऐसे बन जाते है कि धरती पर चल रहे मानव को कीड़े-मकोड़े समझते है आज कारे तों छोटे से छोटे लोगों ने रखी है कार में बैठकर कोई बड़ा नहीं बन सकता समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने वाले के आगे कारों की चमक फीकी पड़ जाती है। यह लोग कार, कोठी और पैसे को ही जीवन का ध्येय मान बैठे हैं।महगें कपड़े पहन कर कोई आदमी बड़ा नहीं है बल्कि उसके गुणों के कारण ही पहचान होती है।कुछ लोग आत्मकेन्द्रित होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए।समाज में ऐसे लोग घातक होते है।आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए।कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए।वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए।किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए।क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है।ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है।

गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बददुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रुप में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए।आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोगों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है।प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है।मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं।मानव को एक दूसरे के सुख दुख में शामिल होना चाहिए।समाज को मंथन करना होगा।मौत सबको आती है कोई अमर नहीं होता।अमर होने के लिए कर्म करने पड़ते है।अच्छाई ही अदमी को अमर कर सकती है।युगों-युगों तक अच्छाई की मशाल जलती रहेगी।

## विचार मंथन

# किसान आंदोलन की तीन गलतियां अब सरकार पर पड़ी भारी

(लेखक - सनत जैन)

किसान आंदोलन में सरकार द्वारा की गई गलतियां अब अमेरिका और कनाडा तक पहुंच गई है। किसान आंदोलन को केंद्र सरकार ने प्रारंभ से ही गलत तरीके से हैंडल किया। जिसके कारण अब यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या के रूप में सामने आ रहा है। केंद्र सरकार ने किसान आंदोलन को उग्रवादी, सिख धार्मिक भावना से प्रेरित मान लिया था। प्रारंभ में किसान आंदोलन का पूरा नेतृत्व वामपंथी किसान संघो के हाथ में था। दूसरा सरकार ने सोचा था कि आंदोलनकारी जल्द ही थक हारकर वापस लौट जाएंगे। सरकार ने सिखों का विश्वास जीतने के लिए किसी सिख नेता को भी वार्ता में शामिल नहीं किया। अकाली दल से केंद्र सरकार का रिश्ता पहले ही टूट चुका था। पंजाब में कांग्रेस की सरकार से बात करने की कोई स्थिति नहीं थी। जिसके कारण किसान आंदोलन को लेकर सरकार और किसान संगठनो के बीच लगातार दूरियां बढ़ती चली गई। किसान आंदोलन लंबा चलने के कारण,कनाडा के उग्रपंथी भी किसानों के समर्थन में सामने आए। किसान आंदोलन को लेकर सभी के मन में सहानुभूति की लहर दौड़ी। विदेश में बसे हुए सिखों ने भी अपने स्तर पर आंदोलनकारी किसानों की मदद की। संगीत जगत से जुड़े और पंजाबी पॉप स्टारों का एक बड़ा वर्ग किसान आंदोलन के समर्थन में आ गया। किसान आंदोलन के समय जो सख्ती सरकार ने दिखाई थी इसका असर बड़े व्यापक रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब देखने को मिल रहा है। भारत के गोदी मीडिया के टीवी चैनलों ने उस समय आग में घी डालने का काम किया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसानों के आंदोलन को चरमपंथी,खालिस्तान आंदोलनकरियों द्वारा चलाए जा रहा आंदोलन बताया। जिसके कारण इसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तीव्र प्रतिक्रिया हुई।

किसान आंदोलन में आ र्थिक मदद देने पर केन्द्र सरकार ने उत्पीड़न की कार्यवाही की थी। कनाडा से निज्जर को लेकर जो विवाद शुरू हुआ था। अब वह अमेरिका तक बढ़ चला है। केंद्र सरकार के ऊपर ब्रिटेन के बाद अब अमेरिका ने भी अपने नागरिकों की हत्या करने का आरोप भारत पर लगा दिया है। कनाडा मामले में तो गोदी मीडिया और सरकार ने बड़ा प्रोपोगंडा किया था। लेकिन जब अमेरिका ने इसी आधार पर जब भारत सरकार को नोटिस भेजकर कार्रवाई करने की मांग की। तब सरकार और गोदी मीडिया ने भी चुप्पी साध ली है। सिख अलगाववाद और उग्रवाद को लेकर चाहे जो भी चुनौती देश और विदेश में हो। अमेरिका और कनाडा का जो सरदर्द था, अब वह भारत के गले पड गया है। कनाडा और अमेरिका में स्वयंभू खालिस्तानी वहां जो भी गतिविधि करते हो, इसका असर कनाडा और अमेरिका पर होता था। लेकिन किसान आंदोलन को गलत तरीके से हैंडल करने के कारण अब इस मामले का असर भारत पर भी असर पड़ने लगा है। जो लड़ाई अभी तक कनाडा और अमेरिका तक सीमित थी। वह भारत में भी देखने को मिलने लगी है। जिसमें राजनैतिक लड़ाई और विचारों को लेकर भारत मैं अलगाववाद की आंतरिक गतिविधियां बढ़ने लगी हैं। कनाडा ब्रिटेन अमेरिका में होने वाली आंतरिक गतिविधियों का असर भारत पर पड़ रहा है। हाल ही में ब्रिटेन के ब र्मिंघम में खा लिस्तानी अवतार सिंह खांडा की मौत के मामले में उनके प रिजनों ने भारत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुछ महीनों से भारत की पु लिस उसे परेशान कर रही थी। भारत सरकार को समय रहते इस पर प्रतिक्रिया देने के स्थान पर इस मामले में शांति बरतने से ही भला होगा। राजनीतिक कारणों से आरोप और प्रत्यारोप करने का असर किसान आंदोलन के दौरान किस तरीके से भारत में पड रहा है, इसको भी समझना होगा। केंद्र सरकार को इस संबंध में अब काफी सतर्कता से सोच समझ कर ही अपने कदम बढ़ाना चाहिए। अन्यथा भारत की छवि विदेश में खराब होगी। वही अलगाववादी खालिस्तान समर्थक एक बार फिर विदेश में और देश में फिर अपनी गतिविधियां बढ़ाने में सफल होंगे।

पृथक खालिस्तान और पंजाब का मुद्दा तीन दशक के बाद एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल रहा है। इसको लेकर उग्रवादी घटनाएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार को काफी सजगता और सतर्कता के साथ ही इस मामले को जल्द से जल्द शांत करना होगा अन्यथा इसके भीषण परिणाम भी भोगने पड सकते हैं।

## देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर: पीएमआई

**नई दिल्ली ।**

देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां आर्डर मिलने और काम पूरा करने की धीमी रफ्तार के कारण नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक नवंबर में एक साल के निचले स्तर 56.9 पर पहुंच गया। यह अक्टूबर में 58.4 था। मासिक आधार पर गिरावट के बावजूद विस्तार की दर इसके दीर्घकालिक औसत से अधिक मजबूत है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों पर आधारित है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा` कि भारत के सेवा क्षेत्र ने तीसरी वित्त तिमाही के मध्य में ही वृद्धि की गति खो दी। हालांकि हम सेवाओं की मजबूत मांग देख रहे हैं जिससे नए आर्डर मिलने और काम पूरा करने की गति बढ़ेगी। कीमतों की बात करें तो कच्चे माल और काम पूरा करने की दरें आठ महीने के निचले स्तर पर फिसल गईं। रोजगार के मोर्चे पर सेवा कंपनियों ने कारोबार के मुख्य तौर पर स्थिर स्तर पर रहने से नई भर्तियां रोकी हैं। इस बीच एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट सूचकांक नवंबर में 57.4 रहा, जो अक्टूबर में 58.4 था।

## मॉयल का अयस्क उत्पादन अप्रैल-नवंबर में बढ़ा

**नई दिल्ली ।** सार्वजनिक क्षेत्र की मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 43 प्रतिशत बढ़कर 10.88 लाख टन रहा।मॉयल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि एक साल पहले इसी अवधि में उसने 7.58 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया था।पिछले महीने, उत्पादन 1.62 लाख टन था, जो नवंबर 2022 में 1.20 लाख टन के मुकाबले 35 प्रतिशत अधिक है।संचयी बिक्री 9.45 लाख टन रही, जो पिछले वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के 6.23 लाख टन से 52 प्रतिशत अधिक है।नवंबर 2023 में कंपनी ने 1.01 लाख टन की बिक्री दर्ज की, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह बिक्री 0.86 लाख टन की हुई थी।

## ओएनजीसी मई में वाणिज्यिक तेल उत्पादन शुरू करेगी: मंत्री

**नई दिल्ली ।** सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एवं नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) अगले साल मई में कृष्णा गोदावरी बेसिन में गहरे सागर में स्थित अपनी प्रमुख परियोजना से कच्चे तेल का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेगी। यह जानकारी राज्यसभा को दी गई। एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने कहा कि ओएनजीसी की केजी बेसिन परियोजना, केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2,चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में आता है। परियोजना कार्यान्वयन में कई चुनौतियों और मुद्दों के कारण देरी हुई है। उन्होंने कहा कि कंपनी अगले साल मई में कृष्णा गोदावरी बेसिन में गहरे सागर में स्थित अपनी प्रमुख परियोजना से कच्चे तेल का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेगी।

## चेन्नई में फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और हुंदै ने विनिर्माण रोका

**नई दिल्ली ।** आईफोन के विनिर्माण से जुड़ीं फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन के साथ वाहन विनिर्माता हुंदै से हित विभिन्न कंपनियों ने चक्रवाती तूफान से उत्पन्न हुए हालात में तमिलनाडु में अपनी विनिर्माण गतिविधियां रोक दी हैं। चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' ने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई और उसके नजदीकी इलाकों में कहर बरपाया। इससे शहर में पानी भरने के साथ उड़ानों और ट्रेनों का आवागमन भी बुरी तरह बाधित हुआ है। जानकारी के मुताबिक, ऐसे हालात में चेन्नई और उसके आसपास मौजूद कई कारखानों ने अस्थायी रूप से परिचालन निलंबित कर दिया है। संपर्क करने पर हुंदै मोटर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि चेन्नई और आसपास के जिलों में मौजूदा चक्रवाती परिस्थितियों में हुंदै मोटर इंडिया की श्रीपेरुंबदूर इकाई में कारखाना संचालन (सभी शिफ्ट) को सोमवार को निलंबित कर दिया गया था। हालांकि, इस संबंध में फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन से कोई जवाब नहीं मिला है।

# भारत 2030 तक विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर: एसएंडपी

**नई दिल्ली ।**

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के मंगलवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार भारत 2026-27 में अनुमानित 7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के साथ 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है और हमें उम्मीद है कि भारत अगले तीन वर्षों में सबसे तेज विकास करने वाला अर्थव्यवस्था होगा।

एसएंडपी ने कहा कि 2023-24 में भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने की उम्मीद है और 2024-25 में विकास दर 6.4 फीसदी होगी। इसके बाद अगले साल 6.9 फीसदी और 2026-27 में 7 फीसदी की तेजी आने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक मजबूत लॉजिस्टिक्स ढांचा भारत को सेवा-प्रधान अर्थव्यवस्था से विनिर्माण-प्रमुख अर्थव्यवस्था में बदलने में महत्वपूर्ण होगा।

श्रम बाजार की संभावनाओं को अनलॉक करना काफी हद तक श्रमिकों के कौशल को बढ़ाने और कार्यबल में महिला भागीदारी बढ़ाने पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन दोनों क्षेत्रों में सफलता भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का एहसास करने में सक्षम बनाएगी। एसएंडपी को यह भी उम्मीद है कि अगले दशक में भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में विस्तार को बढ़ावा देने के लिए घरेलू डिजिटल बाजार में तेजी आएगी, खासकर वित्तीय और उपभोक्ता प्रौद्योगिकी में। रिपोर्ट भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्र को लेकर भी आशावादी है और उम्मीद करती है कि बुनियादी ढांचे, निवेश और नवाचार के आधार पर देश के ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा।

## अडाणी ग्रीन एनर्जी ने वैश्विक बैंकों के संघ से 1.36 अरब डॉलर जुटाए

**मुंबई ।** अडाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय बैंकों के एक संघ से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। एजीईएल के अनुसार मार्च 2021 में प्रारंभिक परियोजना वित्तपोषण के बाद से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण से कंपनी का कुल कोष बढ़कर तीन अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। हरित ऋण सुविधा गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के विकास को सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बयान के अनुसार, खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क न केवल 2030 तक 45 गीगावॉट परिचालन नवीकरणीय क्षमता हासिल करने के एजीईएल के दृष्टिकोण को सक्षम करेगा, बल्कि शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में भारत की यात्रा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## 2023 में चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी मात्रा 120 अरब से अधिक पहुंची

**बीजिंग।**

चीन के राष्ट्रीय पोस्ट ब्यूरो द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 4 दिसंबर तक वर्ष 2023 में चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी मात्रा 120 अरब से अधिक पहुंची, जो नया रिकार्ड है। वर्ष 2021 के बाद से, चीन में एक्सप्रेस पैकेज की वार्षिक मात्रा लगातार तीन वर्षों तक एक खरब से अधिक रही है। यह पहली बार है कि एक्सप्रेस पैकेज की मात्रा 1 खरब 20 अरब से अधिक पहुंची। यह चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी बाजार की समृद्धि और उपभोक्ता बाजार में निरंतर सुधार को दर्शाता है। इस साल से, चीन की अर्थव्यवस्था में लगातार सुधार हुआ है और उत्पादन व उपभोग की मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है। इस वर्ष के पहले 10 महीनों में, चीन में वस्तुओं की ऑनलाइन खुदरा बिक्री 103 खरब 10 अरब युआन तक पहुंच गई, जो 8.4 प्रतिशत की वृद्धि है और चीन के उपभोक्ता वस्तुओं की कुल खुदरा बिक्री का 26.7 प्रतिशत है। चीन में सेवा उपभोग की तीव्र वृद्धि ने एक्सप्रेस डिलीवरी व्यवसाय की मात्रा को बड़ी छलांग लगाने में सक्षम बनाया है। आंकडों से पता चलता है कि इस साल के मार्च के बाद से, चीन की एक्सप्रेस डिलीवरी मात्रा एक महीने में 10 अरब से अधिक हो गई है, जबकि औसत मासिक व्यापार राजस्व 90 अरब युआन से अधिक हो गया है, जो नया रिकॉर्ड है। इस नवंबर में, पीक सीज़न में प्रवेश करने के बाद से, चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी उद्योग उच्च स्तर पर काम करता रहा। 1 नवंबर से 16 नवंबर तक, पूरे चीन में एक्सप्रेस पैकेज की मात्रा 7.767 अरब पहुंची, जिसमें साल-दर-साल 25.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक्सप्रेस पैकेज की औसत दैनिक मात्रा 43 करोड़ से अधिक पहुंची।

# शेयर बाजार में दूसरे दिन भी सेंसेक्स और निफ्टी अपने शीर्ष स्तर पर हुए बंद

**मुंबई ।**

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की शानदार जीत से उत्साहित शेयर बाजार लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर बंद हुआ। अमेरिका के मुख्य आर्थिक आंकड़े जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में नरमी के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखी गई।

बता दें कि चुनावी नतीजे आने के बाद से बाजार अपने दो ट्रेडिंग सेशन में 1,815 अंक चढ़ चुका है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 431.02 अंक की छलांग के साथ 69,296.14 अंक पर बंद हुआ। यह सेंसेक्स का आज तक का सबसे हाई लेवल है। सेंसेक्स की 20 कंपनियों के शेयर जहां ग्रीन निशान में बंद हुए, वहीं दस के शेयर गिरावट में बंद हुए। इसतरह, एनएसई का निफ्टी-50 भी 168.30 अंक की बढ़त लेकर 20,855.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ, जो इसका नया रिकॉर्ड लेवल है। सेंसेक्स इंडेक्स में पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 4.46 प्रतिशत का उछाल लेकर बंद हुआ। एनटीपीसी का शेयर 3.89 फीसदी, एसबीआई का शेयर 2.31 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 2.28 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। साथ ही लाभ पाने वाले अन्य शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन और मारुति भी शामिल हैं। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक, इंफोसिस, आईटीसी, विप्रो और बजाज फाइनेंस के शेयर गिरावट लेकर बंद हुए। बीएसई में लिस्टेड

कंपनियों का बाजार पूंजीकरण मंगलवार को 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़कर 350 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया।

**वहीं शेयर बाजार में उछाल के तीन प्रमुख कारण रहे**

पहला भारतीय जनता पार्टी की तीन राज्यों में बंपर जीत के बाद पावर और यूटिलिटी सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी। दूसरा, पिछले सप्ताह जारी पॉजिटिव मेक्रो इकोनॉमिक डेटा के बाद विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाजार में निवेश। रिजर्व बैंक के अपनी द्विमासिक मौद्रिक बैठक में ब्याज दरों को पिछली बार के अनुरूप बनाए रखने के अनुमान ने भी बाजार में तेजी को समर्थन दिया।

स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने सोमवार को 2,073.21 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

# पिछले 8 सत्रों में एफआईआई ने की 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध खरीददारी

**नई दिल्ली।**

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका का कहना है कि पिछले आठ कारोबारी सत्रों में एफआईआई ने 17,133 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीददारी की है।निफ्टी ने लगातार छठे दिन बढ़त का सिलसिला जारी रखा और 168 अंक (प्लस 0.8 फीसदी) की बढ़त के साथ 20,855 पर बंद हुआ। उन्होंने कहा कि धातु, बैंकिंग, तेल एवं गैस और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं शीर्ष लाभ में रहे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के बाद अमेरिकी एजेंसी के इस निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद कि अडानी समूह के खिलाफ आरोप सही नहीं थे, इसके शेयरों में तेजी देखी गई। ओपेक प्लस द्वारा अपने उत्पादन में कटौती को कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली तिमाही तक बढ़ाने के बाद ऑयल कंपनियां भी फोकस में थीं। वैश्विक और घरेलू बाजारों ने शानदार वापसी की। निवेशक आश्वस्त रहे कि दर-वृद्धि का चक्र समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि मजबूत संस्थागत प्रवाह और आर्थिक आंकड़ों के चलते सेंटीमेंट्स पॉजिटिव है। बोनान्ज़ा पोर्टफोलियो के रिसर्च एनालिस्ट वैभव विदवानी का कहना है कि निफ्टी एनर्जी और निफ्टी मेटल

क्रमशः 3.24 फीसदी और 3.07 फीसदी की बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर में से थे। नवंबर 2023 के साधारण आर्थिक आंकड़ों के बावजूद आज (मंगलवार) बाजार थोड़ा सकारात्मक रहा। भारत की सेवा पीएमआई 58 की भविष्यवाणी से कम होकर 56.9 पर आ गई। हालांकि, कच्चे तेल की कीमत में गिरावट ने नकारात्मक प्रभावों को कम कर दिया। उन्होंने कहा कि आरबीआई द्वारा इस सप्ताह के अंत में अपनी मौद्रिक नीति की घोषणा करने से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं।

## एयर इंडिया ने अपने दो डाटा केंद्र बंद किए

**नई दिल्ली ।** सार्वजनिक विमानन कंपनी एयर इंडिया ने अपने दो डाटा केंद्र बंद कर दिए हैं और अपने कम्प्यूटेशनल कार्यभार को क्लाउड पर स्थानांतरित कर दिया है। यह एक ऐसा कदम जिससे नुकसान में चल रही एयरलाइन को सालाना लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर बचाने में मदद मिलेगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उसने मुंबई और नई दिल्ली में स्थित अपने डाटा केंद्रों को बंद करके सफलतापूर्वक उसे क्लाउड-ओनली आईटी बुनियादी ढांचे पर स्थानांतरित कर दिया है। कंपनी ने कहा कि डाटा केंद्रों के बंद होने से हर साल करीब 10 लाख डॉलर की बचत होगी। क्लाउड पर स्थानांतरित होने की प्रक्रिया को अमेरिका में सिलिकॉन वैली और भारत में गुरुग्राम तथा कोच्चि में एयर इंडिया के कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित किया गया। एयर इंडिया के मुख्य डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी सत्य रामास्वामी ने कहा कि हमने एयर इंडिया की बदलाव यात्रा में सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस, प्लेटफॉर्म-एज-ए-सर्विस और इंफ्रास्ट्रक्चर-एज-सर्विस पद्धतियों का एक रणनीतिक मिश्रण अपनाया है। इससे हमें तेजी से नवाचार की ओर बढ़ने का मौका मिलेगा। एयर इंडिया ने पांच साल की बदलाव योजना शुरू की है। टाटा समूह ने पिछले साल जनवरी में कंपनी का अधिग्रहण कर लिया था।

# बाइक-टैक्सी स्टार्टअप रैपिडो ने इंट्रा-सिटी मोबिलिटी सॉल्यूशन के साथ कैब बिजनेस में की एंट्री

**नई दिल्ली।**

बाइक-टैक्सी स्टार्टअप रैपिडो ने मंगलवार को रैपिडो कैब्स के साथ इंट्रा-सिटी, सास-बेस्ड मोबिलिटी सॉल्यूशन लॉन्च करने के साथ कैब बिजनेस में अपनी स्ट्रैटेजिक एंट्री की घोषणा की।रैपिडो ने मंगलवार को रैपिडो कैब्स के साथ इंट्रा-सिटी, सास-आधारित गतिशीलता समाधान लॉन्च करने के साथ कैब व्यवसाय में अपनी रणनीतिक प्रविष्टि की घोषणा की। बाइक टैक्सियों में 60 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ, स्टार्टअप ने रैपिडो कैब्स के साथ अपने पदचिह्न का विस्तार किया है, जिसमें 1 लाख वाहनों का शुरुआती बेड़ा पेश किया गया है। रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने कहा, हमारा इनोवेटिव सास-बेस्ड प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर्स के साथ कमीशन शेयरिंग करने की लगातार चुनौती से निपटते हुए, ड्राइवरों के लिए कमीशन सिस्टम में क्रांतिकारी बदलाव लाता है। यह अग्रणी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि ड्राइवरों को केवल मिनिमल सॉफ़्टवेयर यूजेस फीस देना होगा, जो इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। सास-बेस्ड प्लेटफॉर्म मार्केट पर नियंत्रण स्थापित किए बिना ड्राइवरों और ग्राहकों को जोड़ता है। रैपिडो इकोसिस्टम के भीतर, ड्राइवर रैपिडो के किसी भी हस्तक्षेप से मुक्त होकर ग्राहकों से सीधे पेमेंट लेते हैं। ड्राइवरों को सब्सक्रिप्शन फीस का भुगतान करना आवश्यक है। कंपनी ने कहा कि रैपिडो ऐप से 10,000 रुपये की कमाई तक पहुंचने पर ड्राइवरों को 500 रुपये की मामूली सब्सक्रिप्शन फीस देनी होगी। रैपिडो ने कहा, ÷साथ ही, यात्रियों को कैब सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी किराए से लाभ होता है, क्योंकि सास-आधारित

प्लेटफॉर्म विभिन्न आवागमन समाधानों को एक सिंगल, यूजर-फ्रेंडली ऐप में समेकित करता है। रैपिडो, जिसकी स्थापना 2015 में हुई थी, अब 100 से अधिक शहरों में काम करता है और इसके 25 मिलियन से अधिक ऐप डाउनलोड हैं। ट्रैक्सन पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, रैपिडो ने कुल 324 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। पिछले साल अप्रैल में कंपनी ने ऑनलाइन फूड डिलीवरी सर्विस स्विगी के नेतृत्व में 180 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

# अगले दो दिनों तक निवेशकों को बाजार में सतर्क रहने की सलाह

**नई दिल्ली।**

व्यापक रैली के बावजूद, शेयर बाजार में डर बना हुआ है। रुपीज़ी के निदेशक और वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक शीर्शम गुप्ता का कहना है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक तक व्यापारियों को अगले दो दिनों तक सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।उन्होंने कहा, बाजार पहले से ही गर्म है और नीति में बदलाव या प्रतिकूल टिप्पणी से बाजार में तीखी प्रतिक्रिया हो सकती है। निफ्टी मंगलवार को फिर उछला, जो फंड-आधारित खरीद की ताकत को दर्शाता है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिटेल रिसर्च प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, निकट अवधि में बाजार में करेक्शन हो सकता है। हम इस बात पर नजर रखेंगे कि क्या अगले कुछ सत्रों में क्रमिक बढ़ोतरी होती है। बढ़त 20,910 तक जारी रह सकती है। इस स्तर के टूटने से निफ्टी अगले कुछ हफ्तों में 21,558 तक पहुंच सकता है। गिरावट होने पर,

20,508 का अंतर स्तर समर्थन प्रदान कर सकता है। निफ्टी में 7 दिसंबर से हल्की गिरावट शुरू होने की पूरी संभावना है। मंगलवार को निफ्टी लगातार छठे सत्र में ऊंचे स्तर पर बंद हुआ। अंत में निफ्टी 0.81 फीसदी या 168.3 अंक ऊपर 20,855.1 पर था। एफपीआई सहित संस्थानों की बढ़ती गतिविधि के बीच एनएसई पर नकदी की मात्रा 1.2 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई। उन्होंने कहा, व्यापक बाजार सूचकांक निफ्टी की तुलना में कम बढ़े, जबकि अग्रिम गिरावट अनुपात 0.91:1 तक गिर गया।

## एनपीए मुद्दे पर सीतारमण ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा- 'भारत अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था'

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सरकार की गैर-निष्पादित संपत्तियों (एनपीए) से निपटने के तरीके पर सवाल उठाने वाले विपक्षी सांसदों को पहले यह पहचानना चाहिए कि भारत अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।वित्त मंत्री ने कहा कि 1 दिसंबर तक 15,186.64 करोड़ रुपये की संपत्ति ईडी ने जब्त की है। राज्यसभा में चर्चा के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा, 'फ़ोन बैंकिंग' उस समय की बात है जब लोग बैंकों को फ़ोन करके कहते थे कि व्यक्ति आपके बैंक से कर्ज़ (लोन) मांगने आएगा, कृपया दे दो।'

मतलब यह कि उनकी पात्रता आदि देखने की कोई जरूरत नहीं है, और लोन अवश्य दिया जाना चाहिए।वित्त मंत्री ने कहा समस्या की जड़ 2004 से 2014 के बीच यूपीए शासन के 10 वर्षों के दौरान थी, जब ऐसे लोगों को लोन देने के लिए फोन किए गए थे, जो लोन पाने के योग्य नहीं थे। भारतीय बैंकों के सुधारों के साथ व्यवस्थित करने का बोझ हम पर आ गया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मेरे पूर्ववर्ती अरुण जेटली समेत हम सभी के साथ बैठे। हमने यह समझने में काफी समय बिताया कि समस्या कहां है और आरबीआई के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने यह भी कहा कि तो 'फोन बैंकिंग' वह तरीका था, जिसके माध्यम से राजनीतिक हस्तक्षेप ने हमारे सभी बैंकों को बर्बाद कर दिया और उन्हें घाटे की स्थिति में पहुंचा दिया। इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'सबसे पहले यह देखा जाना चाहिए कि एनपीए में किसका योगदान है और भारतीय बैंकों को वास्तव में दोहरी बैलेंस-शीट की समस्या है, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'कमजोर 5' में पहुंचा दिया। आज भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जिसने पिछली तिमाही में 7.6 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर दर्ज की है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, जानबूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों से निपटने के लिए क्या अतिरिक्त और विशेष कदम उठाए जा रहे हैं? रमेश ने यह भी कहा कि 2,623 व्यक्तियों पर बैंकों का 1.96 लाख करोड़ रुपये बकाया है। क्या वह उनका नामकरण करने और उन्हें शर्मिंदा करने पर विचार करेंगी?

इस पर सीतारमण ने जवाब दिया, विलफुल डिफॉल्टर्स पर कार्रवाई की जा रही है।

## मौद्रिक नीति : आरबीआई बरकरार रख सकता है रेपो रेट

**चेन्नई ।**

क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और बैंक ऑफ बरौदा के अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखने की संभावना है और इस वित्तीय वर्ष में इसमें कोई परिवर्तन नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आरबीआई की एमपीसी अपनी आगामी बैठक में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पूर्वानुमान को संशोधित करेगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी केयर रेटिंग्स के मुताबिक, आरबीआई 6.5 फीसदी पर रेपो रेट के साथ अपनी रोक जारी रखेगा। रेपो रेट वह दर है जिस पर बैंक आरबीआई से उधार लेते हैं। केयर रेटिंग्स ने कहा, पहली छमाही में आर्थिक उत्पादन में मजबूत विस्तार के साथ आर्थिक परिदृश्य में काफी सुधार हुआ है, जिससे दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। आरबीआई वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने पहले के विकास अनुमानों को लगभग 20-30 बीपीएस तक संशोधित कर सकता है।हालांकि कुछ क्षेत्रों में, विशेषकर ग्रामीण मांग में, विशिष्ट चुनौतियां बनी हुई हैं। केयर रेटिंग्स के अनुसार, उम्मीद से कम ख़रीफ़ उत्पादन और रबी की बुआई के कारण कृषि विकास दर धीमी बनी हुई है। मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ है, लेकिन खाद्य कीमत चिंता का कारण बनी हुई है। कृषि उत्पादन में गिरावट से मुद्रास्फीति के आंकड़ों में अतिरिक्त वृद्धि का जोखिम पैदा हो सकता है। मुद्रास्फीति पर सतर्क रहते हुए आरबीआई द्वारा आर्थिक वृद्धि को समर्थन जारी रखने की संभावना है। केयर रेटिंग्स ने कहा, हमारा अनुमान है कि आरबीआई अपनी नीतिगत दरों और रुख को अपरिवर्तित रखेगा। हमें इस वित्तीय वर्ष में आरबीआई द्वारा दरों में कोई और बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। आईसीआरए लिमिटेड की अदिति नायर ने कहा, वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी डेटा एमपीसी के पिछले पूर्वानुमान की तुलना में काफी अधिक है, और खाद्य मुद्रास्फीति के विभिन्न पहलुओं पर जारी चिंताओं के साथ, हम उम्मीद करते हैं कि एमपीसी दिसंबर 2023 की समीक्षा में रोक को जारी रखेगी। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, जीडीपी में दूसरी तिमाही में देखी गई उच्च वृद्धि यह आश्वासन देती है कि अर्थव्यवस्था पटरी पर है।

पिछले कुछ महीनों में कम मुख्य मुद्रास्फीति के आंकड़े इस बात की तसल्ली देंगे कि दरें बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है, जबकि हेडलाइन मुद्रास्फीति के अस्थिर होने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# टीम इंडिया ने 2001 में भी किया था दक्षिण अफ्रीका का दौरा, हुआ था भयंकर विवाद

### -छह प्लेयर्स पर लगे थे बॉल टेम्परिंग सहित कई गंभीर आरोप

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय टीम तीन टी20आई, तीन वनडे और दो टेस्ट की सीरीज के लिए इसी माह दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने वाली है। लेकिन 2001 का वह दौरा कभी नहीं भुलाया जा सकता है, जब भारतीय टीम के छह प्लेयर्स पर बॉल टेम्परिंग सहित कई गंभीर आरोप लगे थे। हालांकि दोनों टीमों के बीच अब तक 42 टेस्ट खेले गए हैं जिसमें भारत ने 15 में जीत हासिल की है जबकि 17 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि दक्षिण अफ्रीकी मैदान पर भारत का टेस्ट रिकॉर्ड बेहद खराब है और टीम वहां खेले गए 23 टेस्ट में से महज 3 में ही जीत हासिल कर पाई है। 12 टेस्ट में भारतीय टीम को हार मिली है जबकि सात ड्रॉ रहे हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच के क्रिकेट रिश्ते वैसे तो सौहार्दपूर्ण रहे हैं लेकिन वर्ष 2001 में इसमें बड़ा 'भूचाल' आया था। इसे क्रिकेट जगत में 'माइक डेनेस विवाद' के नाम से जाना जाता है।

वर्ष 2001 में दक्षिण अफ्रीका दौरे में भारतीय टीम के छह प्लेयर्स पर बॉल टेम्परिंग सहित कई आरोप लगे थे।

उस के बाद दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान और उस मैच के रैफरी माइक डेनेस ने भारतीय टीम के लगभग आधे प्लेयर्स पर खेलने से प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि बाद में विवाद को बढ़ता देख ज्यादातर प्रतिबंध हटा दिए गए और मामला अच्छे से निपट गया। इस टेस्ट के दौरान जिन प्लेयर्स को मैच रैफरी की कार्रवाई का सामना करना पड़ा था उनमें सचिन तेंदुलकर और टीम के तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली भी शामिल थे। सचिन को बॉल टेम्परिंग के आरोप में एक टेस्ट से बैन की सिफारिश की गई थी जबकि वीरेंद्र सहवाग अधिक अपील के लिए एक टेस्ट से बैन किए गए थे।

हालांकि सचिन पर तो यह आरोप लगा कि गेंदबाजी करने के दौरान उन्होंने गेंद की सीम को नाखून से खरोचा है। भारतीय टीम को नियंत्रित करने में कथित नाकामी के कारण एक टेस्ट और दो वनडे का सस्पेंडेड बैन थोपा गया था।जरूरत से ज्यादा अपील के लिए हरभजन सिंह, शिवसुंदर दास और दीप दासगुप्ता पर भी एक-एक मैच का सस्पेंडेड

बैन लगाया गया था। जाहिर है कि बेवजह की इस कार्रवाई पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से जोरदार प्रतिक्रिया होनी थी और ऐसा हुआ भी। भारतीय टीम ने इस मामले में 'आर या पार' की लड़ाई का मन बना लिया था। वह दौरे के शेष मैचों का बायकॉट करने पर आमादा थी।

# रिंकू के आक्रामक और निडर से प्रभावित हूं : श्रीसंत

**विशाखापत्तनम (एजेंसी)।** रिंकू सिंह के आक्रामक और निडर दृष्टिकोण की गूंज के बीच, भारतीय पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का मानना है कि खेल के प्रति 26 वर्षीय खिलाड़ी का रवैया 20वीं सदी के प्रतिष्ठित खेल व्यक्तित्व मुहम्मद अली की याद दिलाता है। उन्होंने अपने असाधारण क्षेत्ररक्षण से भारतीय टीम को मात देने के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय दिया, जबकि उन्होंने अपनी उम्मीदें भारतीय युवा कंधों पर केंद्रित कीं। टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम तैयार हो रही है। मैं ईमानदार रहूँगा। ऑस्ट्रेलिया ने हमें पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई तरीके से खेला। लक्ष्य जो 280 से 290 होना चाहिए था, ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने इस 240 तक रोक दिया। श्रीसंत ने कहा, खेल का पूरा परिदृश्य बदल गया। निडर दृष्टिकोण वाले उभरते सितारे रिंकू ने श्रीसंत का ध्यान खींचा और 40 वर्षीय खिलाड़ी ने युवा बल्लेबाज में मोहम्मद अली की झलक देखी और सभी प्रारूपों में उनके लगातार प्रदर्शन और अपने दिल की बात कहने की उनकी क्षमता की सराहना की।

श्रीसंत ने कहा, मुझे रिंकू सिंह का आत्मविश्वास पसंद है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं, उसके लिए लगातार ऐसा कर रहे हैं, चाहे वह क्लब क्रिकेट हो, चाहे वह टीम क्रिकेट हो, चाहे वह फ्रेंचाइजी हो। वह परवाह नहीं करते, बहकते नहीं लेकिन वह अपने दिल की बात कहते हैं और वह हैं मोहम्मद अली मेरे लिए। श्रीसंत, जो एम एस धोनी के नेतृत्व में 2007 टी20 विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्य थे, ने भी अपने करियर के महत्वपूर्ण क्षणों पर विचार किया, उन बाधाओं और लचीलेपन के बारे में बताया जिसने अंततः क्रिकेट के मैदान में उनकी वापसी का मार्ग प्रशस्त किया।

हालाँकि, 39 साल की उम्र में केरल के लिए उनकी वापसी, जहाँ वे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, ने उनके अटूट दृढ़ संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। अब, लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में गुजरात जायंट्स की जर्सी पहनकर और स्टुअर्ट बिन्नी के साथ अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) टी20 के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी करते हुए, श्रीसंत ने भारत के बाहर फ्रेंचाइजी क्रिकेट द्वारा दिए गए अवसरों की सराहना की। एलएलसी उनके लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक मंच रहा है, जिसमें महान सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी प्रदान करते हुए उनके लचीलेपन को स्वीकार किया था, एक ऐसा क्षण जिसे वह संभावित बायोपिक के अंतिम दृश्य के रूप में देखते हैं।

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम ने सीरीज जीती, सूर्या ने खिलाड़ियों की तारीफ की

**मुंबई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस?ट्रेलिया को 6 रनों से हराकर, पांच टी20 की सीरीज अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के आमंत्रण पर पहले बल्लेबाजी कर भारतीय टीम ने श्रेयस अय्यर के 53 और अक्षर पटेल के 31 रनों की मदद से लड़खड़ाते हुए 20 ओवर्स में 8 विकेट खोकर 160 रन बनाए। माना जा रहा था कि इस छोटे स्कोर को डिफेंड करना 'सूर्या ब्रिगेड' के लिए आसान नहीं होगा लेकिन बॉलर्स ने लगातार विकेट लेकर मैथ्यू वेड की कंगारू टीम को दबाव में रखा।

मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने युवा प्लेयर्स के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की। सूर्या ने कहा, सीरीज जीतकर अच्छा लग रहा है। कप्तान के तौर पर अच्छा फील हो रहा है। अर्शदीप सिंह के प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, पाजी को मैंने जो

बोला था करने के लिए, वहीं उसने किया। मैंने फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बॉलिंग डालते हुए देखा है, इसलिए उसका आखिरी ओवर रखा था। कप्तान ने कहा, सब लोग बोलते हैं कि टी20 क्रिकेट बैट्समैन का गेम है। बैट्समैन रन बनाएंगे, यह बॉलर्स के लिहाज से मुश्किल हैं। मेरे हिसाब ये यही होता है कि बैट्समैन मैच जिताते ही हैं, बॉलर सीरीज जिताते हैं। हर गेम में वे नया नया करते गए। अक्षर ने लगातार दूसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीता।

# इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

**मुंबई (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम पिछले कुछ अर्से के अच्छे प्रदर्शन से प्रेरणा लेकर इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय रिकॉर्ड बेहतर करने के इरादे से बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने टी20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने बांग्लादेश में 2.1 से जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंची।

दूसरी ओर दुनिया की दूसरे नंबर की टीम इंग्लैंड श्रीलंका से 1-2 से मिली पराजय को भुलाकर नये सिरे से शुरूआत करने उतरेगी। दुनिया की चौथे नंबर की टीम भारत का इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखलाओं में रिकॉर्ड खराब रहा है। मेजबान टीम इसे दुरूस्त करने के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड के खिलाफ भारत में नौ मैचों में से भारत ने सिर्फ दो जीते हैं। आखिरी जीत पांच साल पहले मार्च 2018 में मिली थी जब ब्रेबोर्न स्टेडियम पर आठ विकेट से इंग्लैंड को हराया था। इंग्लैंड के खिलाफ अब तक कुल 27 मैचों में से भारत ने सिर्फ सात जीते हैं। भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार अपनी सरजमीं पर टी20 मैच मार्च 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लखनऊ में जहीता था। उसके बाद से भारत अपने देश में चार मैच हार चुका है और एक टाई रहा। भारत ने घरेलू 50 टी20 मैचों में से सिर्फ 19 जीते हैं, 30 हारे और एक टाई रहा। भारत और इंग्लैंड दोनों ने पिछले टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अगला टूर्नामेंट सितंबर अक्टूबर 2024 में होना है और उसकी तैयारी का यह सुनहरा मौका है। दीप्ति शर्मा ने भारत के लिये 16 मैचों में 19 विकेट लिए हैं जबकि बल्लेबाजी में हरमनप्रीत ने 13 टी20 में 323 रन बनाए हैं। जेमिमा रौड्रिग्स ने 16 मैचों में 342 रन बनाए हैं जबकि स्मृति मंधाना ने 15 मैचों में सर्वाधिक 369 रन का योगदान दिया है। हरमनप्रीत ने बिग बैश लीग में 14 मैचों में 321 रन बनाए। भारत ने तीन नये चेहरों कर्नाटक की स्पिनर श्रेयांका पाटिल, पंजाब की स्पिनर मन्नत कश्यप और बंगाल की स्पिनर साइका इशाक को मौका दिया है। कश्यप इस साल की शुरूआत में आईसीसी अंडर 19 महिला टी20 कप में टीम का हिस्सा थी जबकि इशाक ने पहली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिये 15 विकेट लिए। श्रेयांका ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिये नौ विकेट चटकाए और महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने वाली पहली भारतीय बनी। इंग्लैंड के लिये नेट स्किवेर ब्रंट ने महिला प्रीमियर लीग में 332 रन देने के अलावा दस विकेट लिए थे। उन्होंने आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 271 रन बनाए। डैनी वियाट ने 278 रन बनाये हैं जबकि सोफी एक्सेलेटन ने 16 विकेट लिए।

# इंग्लैंड कोच ने की भारतीय टीम की तारीफ, टेस्ट सीरीज खेलना सबसे बड़ा चैलेंज

नई दिल्ली ।इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैक्कुलम ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा कि टीम इंडिया के साथ टेस्ट सीरीज खेलना सबसे बड़ा चैलेंज है। बता दें कि भारत को इसी महीने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट खेले जाने हैं। पहला टेस्ट 26 जनवरी से तो वहीं, दूसरा जनवरी 2024 में 3 जनवरी से खेला जाएगा। फिर 25 जनवरी से भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। जिसे देखते हुए इंग्लिश टीम के कोच मैक्कुलम काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि भारत में टेस्ट सीरीज खेलना हमारे लिए अपने आप को टेस्ट करने जैसा होगा। क्योंकि वह सबसे अच्छी टीम है। इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैक्कुलम ने बेंगलुरु में एक इवेंट के दौरान कहा कि हमें भारत के खिलाफ 5 टेस्ट मैच खेलने हैं। ये हमारे लिए बड़ा चैलेंज होगा। मैं इसे लेकर काफी उत्साहित हूं। क्योंकि हम अपने आप को टेस्ट करना चाहते हैं। वो तभी हो पाएगा जब आप मजबूत टीम से भिड़ते हो।

# साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भुवनेश्वर को न लेने पर आरपी सिंह हुए नाराज

नई दिल्ली ।साउथ अफ्रीका दौरे के लिए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर को न लेने पर पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह बेहद नाराज हैं। गौरतलब है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी गई है। स्क्वॉड में अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर मुकेश कुमार जैसे गेंदबाजों को मौका मिला है।टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव को दी गई है वहीं, वनडे की कप्तानी केएल राहुल के पास होगी। टीम सेलेक्शन के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह एक तेज गेंदबाज को मौका नहीं मिलने से नाराज हैं। उन्होंने कहा है कि भुवनेश्वर कुमार को मौका जरूर मिलना चाहिए था। आरपी सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, मैं ये देख कर हैरान हूं कि भुवनेश्वर कुमार साउथ अफ्रीका के खिलाफ वाइट बॉल गेम का हिस्सा नहीं हैं। मैंने इस सीजन उनके प्रदर्शन को करीब से देखा है। वह शानदार लय और जोश में दिखाई दे रहे हैं। यहां गौश्रतलब है कि भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए आखिरी मैच 22 नवंबर 2022 को खेला था। यह एक टी20 मैच था जो न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया था। भूवी ने इस मैच में 4 ओवर डालते हुए 35 रन दिए थे।सेलेक्टर्स ने उन्हें इस टी20 सीरीज के बाद फिर कभी मौका नहीं दिया। उन्होंने आखिरी टेस्ट साल 2018 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उनकी वापसी की उम्मीद भी अब काफी कम है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मो. सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर।

# जूनियर हॉकी विश्व कप: कोरिया को 4-2 से मात देकर भारत की बेहतरीन शुरुआत, अरिजीत की हैट्रिक

**कुआलालंपुर (एजेंसी)।** मलेशिया के कुआलालंपुर में हुए भारत बनाम दक्षिण कोरिया मुकाबले में अरिजीत सिंह हुंदल की हैट्रिक की मदद से भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-2 से हरा दिया है। इसके साथ ही भारत ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत कर ली है।

अरिजीत ने 11वें, 16वें और 41वें मिनट में गोल किये। भारत की तरफ से एक अन्य गोल अमनदीप ने 30वें मिनट में किया। दक्षिण कोरिया की तरफ से दोह्युन लिम (38वें) और मिंकवोन किम (45वें) ने गोल किये। भुवनेश्वर में 2021 में खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक के मैच में फ्रांस से हारने वाले भारत ने कोरिया पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा। अरिजीत ने पहले क्वार्टर में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

भारत ने इसके बाद भी दबदबा बनाए रखा। अरिजीत और अमनदीप ने दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल किए, जिससे भारत मध्यांतर तक 3-0 से आगे था। दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में लिम के गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन भारत की तरफ से अरिजीत ने तुरंत ही चौथा गोल करके अपनी हैट्रिक भी पूरी की। भारत 4-1 की बढ़त हासिल करने के बाद थोड़ा ढीला पड़ गया जिसका फायदा उठाकर किम ने गोल दाग दिया।

दक्षिण कोरिया हालांकि इससे हार का अंतर ही कम कर पाया। भारत पूल सी में अपना अगला मैच स्पेन के खिलाफ खेलेगा। इस ग्रुप की चौथी टीम कनाडा है। भारत ने इससे पहले 2001 और 2016 में खिताब जीता था जबकि 1997 में वह उपविजेता रहा था।

# आज टीम को खिलाड़ी के रुप में नहीं एक कप्तान के रुप में रोहित की जरुरत : कैफ

विशाखापत्तनम।विश्व कप 2023 के रोमांचक फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सपनों को चकनाचूर किया और अब क्रिकेट जगत का ध्यान टी20 विश्व कप 2024 पर केंद्रित हो चुका है।पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि हार के बीच रोहित शर्मा का नेतृत्व पहले से कहीं अधिक चमक रहा है।कैफ ने कहा, टी20 विश्व कप 2024 में टीम का नेतृत्व करने के लिए आपको बल्लेबाज रोहित से ज्यादा कप्तान रोहित की जरूरत है।अब जैसे कि टी20 विश्व कप नजदीक है, सवाल उठता है कि क्या रोहित भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, या कोई नया कप्तान पद संभालेगा? कैफ एक खिलाड़ी और एक नेता दोनों के रूप में रोहित की प्रतिभा को स्वीकार करते हैं, का तर्क है कि मुंबईकर की कप्तानी अपरिहार्य है, खासकर हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में।कैफ ने कहा, रोहित को वहां रहना होगा क्योंकि उनमें नेतृत्व की गुणवत्ता है।उन्होंने वनडे विश्व कप के दौरान लचीलापन और कौशल का प्रदर्शन करने वाली टीम का मार्गदर्शन करने में रोहित की भूमिका के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने विश्व कप में नेतृत्व किया, उन्होंने एक नेता के रूप में शानदार काम किया है।भारत को टी20 में भी उनके अनुभव की जरूरत होगी।विराट कोहली और रोहित के सफेद गेंद वाले क्रिकेट से ब्रेक लेने के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की अनुपस्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।कैफ ने विशेष रूप से पुजारा की चूक के बारे में भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, श्रेयस अय्यर आपके लिए पुजारा की जगह भरना कठिन होगा।मुझे नहीं पता कि पुजारा को क्यों नहीं चुना गया है। आप अपने प्रमुख बल्लेबाज के बिना अफ्रीकी दौरे पर नहीं जा सकते, आप मौजूदा या पिछले फॉर्म पर भरोसा नहीं कर सकते, जिस चीज की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है उसे अनुभव कहा जाता है और भारत को इसकी कमी खलेगी।कैफ ने कहा, उनके गेंदबाजों ने पूरे टूर्नामेंट में संघर्ष किया, वार्नर, स्मिथ, मार्श ने बल्ले से संघर्ष किया, स्टार्क, हेजलवुड लय में नहीं थे, फिर आप कैसे कह सकते हैं कि जो जीतता है वह सर्वश्रेष्ठ टीम है। भारतीय टीम को देखते हुए रोहित ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया।पूरे टूर्नामेंट में विराट ने मजबूत मध्यक्रम के साथ पारी की कमान संभाली।हमारे तेज गेंदबाज शानदार थे, मोहम्मद शमी जो शुरुआती मैच नहीं खेल सके, टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

# आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर की सूची में तीन भारतीय खिलाड़ियों के नाम

**दुबई (एजेंसी)।** आईसीसी पुरस्कार आने वाली हैं। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों में आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर एक विशेष स्थान रखता है, जो सभी प्रारूपों में एक खिलाड़ी की उत्कृष्टता को सम्मानित करता है। जैसे-जैसे वर्ष 2023 अपने अंत के करीब पहुंच रहा है, प्रशंसकों के बीच उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया है। हर किसी के मन में सवाल है कि 2023 के लिए आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का ताज किस खिलाड़ी को पहना जाएगा।

सबसे पहले नाम हैं, शुभमन गिल का, जो कि 2023 में एक क्रिकेट सनसनी के रूप में उभरे हैं, उन्होंने 45 मैचों में 50.42 की प्रभावशाली औसत के साथ 7 शतकों सहित 2118 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं। उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। वह पुरुषों के वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। सभी प्रारूपों में गिल का लगातार अच्छा प्रदर्शन और प्रत्येक प्रारूप में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में उनका शामिल होना उन्हें इस पुरस्कार का प्रबल दावेदार बनाता है।

इसके बाद डेरिल मिशेल ने बल्ले और गेंद दोनों से अपना कौशल दिखाया है। उन्होंने साल 2023 में 47 मैचों में 42.64 की औसत और छह शतकों के साथ 1919 रन बनाए है। इसके अलावा उन्होंने गेंद से भी महत्वपूर्ण योगदान देकर 24 विकेट हासिल किए। वनडे विश्व कप 2023 में न्यूजीलैंड के लिए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया जोकि उन्हें इस पुरस्कार का दावेदार बना रहा है।

टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 34 मैचों में 66.68 के औसत से 1934 रन बनाए, जिसमें 8 शतक शामिल थे। कोहली के शानदार विश्व कप अभियान ने उन्हें सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गजों के पहले के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए देखा। अपने शानदार रन-स्कोरिंग और नेतृत्व गुणों के साथ कोहली आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर के प्रबल दावेदार बने हुए हैं।

# कैमरे पर नहीं दिखाने पर नीरज चोपड़ा ने दी सफाई, मैं बस मैच देखने गया था

नई दिल्ली ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप को देखने नीजर चौपड़ा भी गए थे।लेकिन उन्हें टीवी पर नहीं दिखाए जाने को लेकर काफी चर्चाएं हुईं।अब उन्होंने अपनी सफाई में कहा कि वह केवल मैच देखने गए थे।बता दें कि फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस मुकाबले में आसान जीत दर्ज की। तब वर्ल्ड कप फाइनल देखने के लिए भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा भी पहुंचे थे। विश्व कप के बाद इस बात पर काफी चर्चा हुई कि फाइनल मैच के दौरान उन्हें टीवी पर नहीं दिखाया गया। अब नीरज ने इसपर खुद खुलासा किया है। नीरज चोपड़ा ने मीडिया से एक इंटरव्यू के दौरान कहा, कि जब मैंने डायमंड लीग में पार्टिसिपेट किया था तो उन्होंने मुझे अच्छी तरह से टेलीकास्ट नहीं किया था। मैं अहमदाबाद बस मैच देखने के लिए गया था। मैंने मैच को काफी इंज्वॉय किया। मुझे तब और अच्छा लगता अगर इंडिया फाइनल जीत जाता। मैं ये कभी नहीं चाहता हूं कि कैमरे में मुझे दिखाया जाए। मेरा यह पहला क्रिकेट मैच भी था जिसे मैंने पूरा देखा था।

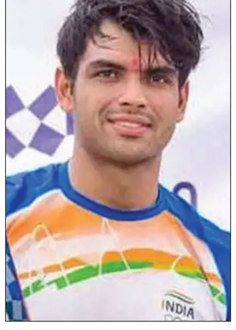

# दीपा करमाकर बोली- ओलंपिक पदक जीतने का सपना नहीं भूली

**कोलकाता (एजेंसी)।** दीपा करमाकर ने अपने करियर में समान रूप से गौरव और पीड़ा देखी है लेकिन इस स्टार भारतीय जिम्नास्ट ने सोमवार को कहा कि वह अभी पेरिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने के अपने सपने को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं और शायद पदक के साथ वापसी करेंगी। रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रहकर इतिहास रचने वाली दीपा ने तब से अधिक मुश्किल हालात का सामना किया है। दीपा को घुटने की दो एसीएल सर्जरी का सामना करना पड़ा जिसके लिए लिगामेंट प्रत्यारोपण अनिवार्य था और डोप परीक्षण में विफल होने के कारण उन पर 21 महीने का प्रतिबंध लगा लेकिन अब वह वापसी की राह पर हैं।

दीपा ने कहा कि मैं अब पूरी तरह से फिट हूं। मैंने (प्रोडुनोवा) वॉल्ट चोट की संभावना को जानने के बावजूद किया। उन्होंने कहा- लेकिन मैं अपना शत प्रतिशत दे रही हूं और अपने कोच (बिश्वेश्वर नंदी) के मार्गदर्शन में काफी कड़ी मेहनत कर रही हूं ताकि मैं इससे उबर सकूं और एक पदक जीत सकूं, उसके बाद ही मैं जिम्नास्टिक से संन्यास लूंगी।

अक्टूबर में बेल्जियम में विश्व चैंपियनशिप से चूकने के बाद दीपा की पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करने की राह कठिन है लेकिन वह सकारात्मक रहना चाहती हैं और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना अब बहुत कठिन है। मैं प्रशिक्षण में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं।

पिछली बार सितंबर में हंगरी में विश्व चैलेंज कप में हिस्सा लेने वाली दीपा अब अगरतला में नंदी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। हांगझोउ एशियाई खेलों की टीम से भी दीपा का नाम हटा दिया गया क्योंकि वह पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती थीं लेकिन वह उस निराशा से भी आगे बढ़ चुकी हैं।

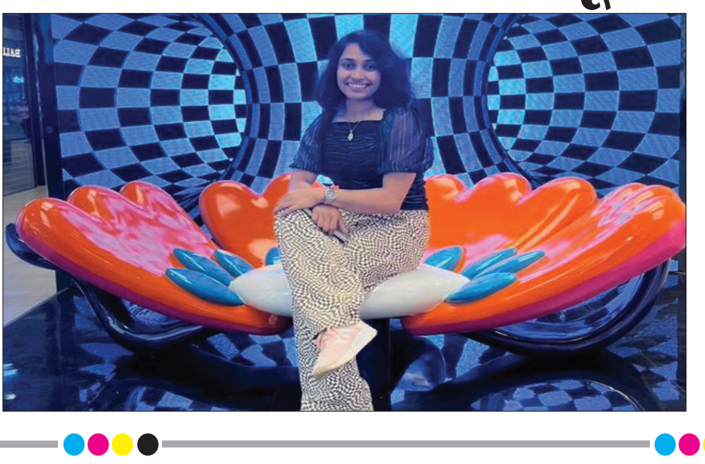

# डिजास्टर मैनेजमेंट
## एक बेहतर केरियर

आपदाएं इन्सान को गहरी चोट देती हैं। जबरदस्त नुकसान पहुंचाती हैं। मानव जीवन और धन-सम्पत्ति को भी नष्ट करती हैं। आपदाओं की चपेट में आने वाली जिन्दगी पटरी से इस तरह उतरती है, जिसे वापस अपने ट्रेक पर आने में काफी लम्बा समय लग जाता है। लेकिन महत्वपूर्ण बात है कि जिन्दगी पटरी पर तब लौटेगी, जब यह बची रहेगी। आपदाओं के बीच संघर्ष कर लोगों की जिन्दगियां बचाने का काम करते हैं डिजास्टर मैनेजमेंट में पारंगत लोग। आजकल प्राकृतिक और मानवीय कारणों से आने वाली आपदाओं की संख्या बहुत बढ़ गई है। इसीलिए सरकार, एनजीओ और अनेक निजी संस्थान आपदा प्रबंधन को बढ़ावा दे रहे हैं। यही कारण है कि इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है।

वैसे तो आपदाओं की चपेट में पूरी दुनिया ही आ जाती है, लेकिन भारत इस मामले में ज्यादा संवेदनशील है। वजह चाहे प्रबंधन कला की कमजोरी हो या फिर कुछ और परन्तु नुकसान हमेशा यहां ज्यादा ही होता है। एक अनुमानित आंकड़ा बताता है कि पिछले बीस सालों में पूरे विश्व में जमीन खिसकने, भूकंप बाढ़ सुनाम, बर्फ की चट्टान सरकने और चक्रवात जैसी आपदाओं में लगभग तीस लाख से अधिक लोगों की जान चली गई। यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि विश्व भर में आई प्राकृतिक आपदाओं में लगभग 80 प्रतिशत विकासशील देशों के हिस्से पड़ीं। देश की साठ से अधिक फीसदी खेती योग्य जमीन सूखे की आशंका की जद में है। वहीं कुल जमीन का 55 फीसदी हिस्सा भूकम्प के प्रति संवेदनशील है, 16 प्रतिशत बाढ़ और 10 प्रतिशत चक्रवात के लिए।

### काम

इनका काम बेहद महत्वपूर्ण होता है। डिजास्टर मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स आपदा के शिकार लोगों की जान बचाने और उन्हें मुख्य धारा में फिर से वापस लाने का काम करते हैं। इसके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारें आवश्यक धन उपलब्ध कराती हैं। इन सबसे मुख्य सरकारी एजेंसी के रूप में गृह मंत्रालय बड़ी भूमिका निभाता है। वह आपदा के समय डिजास्टर मैनेजमेंट का कार्य सम्भालता है। कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय सूखे और अकाल के वक्त अपनी जिम्मेदारियां निभाता है। वहीं अन्य विपदाओं के लिए दूसरे मंत्रालय भी जिम्मेदार होते हैं, जैसे-हवाई दुर्घटनाओं के लिए सिविल एविएशन मिनिस्ट्री, रेल दुर्घटनाओं के लिए रेल मंत्रालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा मंत्रालय आदि भी विभिन्न प्रकार की विपदाओं के समय जिम्मेदारियां निभाते हैं। डिजास्टर मैनेजमेंट में प्रशिक्षित लोग आपदा के वक्त किसी देवदूत की तरह लगते हैं।

भारत सरकार ने इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की है। मानव संसाधन मंत्रालय ने दसवीं पंचवर्षीय परियोजना में डिजास्टर मैनेजमेंट को स्कूल और प्रोफेशनल एजुकेशन में शामिल किया था। वर्ष 2003 में पहली बार केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई ने आठवीं कक्षा के सामाजिक विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम में इसे जोड़ा। फिर आगे की

कक्षाओं में और सरकारी व गैर सरकारी उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में भी डिजास्टर मैनेजमेंट की पढ़ाई होने लगी।

इसके अलावा देश के कई प्रबंधन संस्थान डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफि केट से लेकर पीजी डिप्लोमा लेवल के कोर्स संचालित करते हैं। वहीं कई विश्वविद्यालिय डिग्री लेवल कोर्स भी आफर कर रहे हैं। डिजास्टर मैनेजमेंट के कोर्स रेगुलर और डिस्टेंस लर्निंग के माध्यम से भी किया जा सकता है।

### योग्यता

इसके सर्टिफिकेट कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 पास है, जबकि मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा के लिए योग्यता स्नातक है। इस कोर्स में एडमीशन लेने वालों में हर परिस्थिति में काम करने का जब्जा होना एक आवश्यक गुण है। विषम परिस्थितियों से निबटने की समझ, बड़े हादसों को देखने के बावजूद संयमित होकर सबकुछ मैनेज करने का गुण काफी महत्वपूर्ण होता है। प्रवेश देने से पूर्व कैंडीडेट में उपरोक्त गुणों को परखा जाता है। कुछ संस्थान प्रोफेशनल के लिए भी सर्टिफिकेट कोर्स चलाते हैं।

### पाठ्यक्रम

डिजास्टर मैनेजमेंट के तहत रिस्क असेसमेंट एंड प्रिवेंटिव स्ट्रेटजीज, लेजिस्लेटिव स्ट्रक्चर्स फॉर क ंट्रोल ऑफ डिजास्टर मिटिगेशन, एप्लिकेशन आफ जीआईएस इन डिजास्टर मैनेजमेंट, रेस्क्यू आदि विषय आते हैं। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में स्पेशलाइजेशन भी किया जा सकता है, जैसे- माइनिंग, कैमिकल डिजास्टर और टेक्निकल डिजास्टर वगैरह।

### अवसर

आमतौर पर इनको सरकारी नौकरियों और आपातकालीन सेवाओं में अवसर मिलता है। साथ ही लॉ इन्फोर्समेंट, लोकल अथॉरिटीज, रिजीज एजेंसीज और गैर सरकारी प्रतिष्ठानों में जॉब की अच्छी सम्भावना होती है। इसके अलावा यूनाइटेड नेशन जैसी अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों में भी नौकरी मिल सकती है।

इसके साथ ही केमिकल, माइनिंग, पेट्रोलियम जैसी रिस्क इंडस्ट्रीज में भी आपको जॉब मिल सकता है। आम तौर पर इन इंडस्ट्रीज में डिजास्टर मैनेजमेंट सेल होता है। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं रेडक्रॉस और यूएन प्रतिष्ठान भी प्रशिक्षित पेशेवर को काम पर रखते हैं। अनुभव हासिल करने के बाद खुद की कम्पनी या फिर एजेंसी भी खोली जा सकती है। यह बेहद जिम्मेदारी से भरा कार्य है। इसमें कैंडीडेट का तेज दिमाग के साथ-साथ शारीरिक रूप से फिट होना भी काफी मायने रखता है। आग, पानी और विभिन्न आपदाओं से निबटने का हौसला होना ही चाहिए। इस करियर को समाज सेवा का दूसरा रूप माना जाता है।

### संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी इग्नू नई दिल्ली,
- नार्थ बंगाल यूनिवर्सिटी, दार्जिलिंग,
- इंटरनेशनल सेंटर ऑफ मद्रास यूनिवर्सिटी, चेन्नई,
- सिक्किम मनिपाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ,
- मेडिकल एंड टेक्नोलॉजिकल साइंसेज, गंगटोक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट, नई दिल्ली,
- नेशनल सेंटर फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट,
- इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली,
- सेंटर फॉर सिविल डिफेंस कॉलेज, नागपुर,
- एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट,हैदराबाद,
- डिजास्टर मिटिगेशन इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद,
- एनवायरमेंट प्रोटेक्शन ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट हैदराबाद,
- सेंटर फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट, पूणे,
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट, नोएडा,
- नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, पटना,
- राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद।

## यूक्रेन पर आक्रामक हुआ रुस, गोलीबारी में दो की मौत और तीन घायल

मॉस्को । यूक्रेन के खेरसन में रूसी हमलों में दो की मौत हुई और तीन लोगों के घायल होने की खबर है। क्षेत्रीय अभियोजकों ने हमले की युद्ध अपराध जांच शुरू की, जो सुबह 9 बजे के आसपास हुआ और एक 48 वर्षीय पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि रूसी सेना द्वारा दक्षिणी यूक्रेन के शहर खेरसॉन पर की गई गोलाबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और तीन घायल हो गए। आतंकवादी, यूक्रेन के राष्ट्रपति प्रशासन के प्रमुख एंड्री यरमक ने फुटपाथ पर पड़े शवों की दो छवियों के साथ टेलीग्राम पर पोस्ट किया। खेरसॉन के मेयर रोमन म्रोचको ने कहा कि एक चिकित्सा सुविधा पर एक अलग तोपखाने के हमले में दो डॉक्टर घायल हो गए। बता दे कि इससे पहले सोशल मीडिया पर एक फुटेज आया है जिसमें दिख रहा है कि खंदक से निकल रहे दो सैनिकों को बहुत नजदीक से गोली मारी जा रही है। इस धुंधले वीडियो में दिख रहा है कि डर के मारे ये सैनिक बाहर आ रहे हैं और वे जमीन पर लेट जा रहे हैं। उनमें एक ने अपने हाथ ऊपर कर रखे हैं। उसी बीच कुछ रूसी सैनिक सामने आते हैं एवं उनपर गोलियां चला देते हैं। इसके अलावा रूस की सेना में सेवारत छह नेपाली नागरिक यूक्रेन के साथ युद्ध में मारे गए हैं। नेपाल सरकार ने सोमवार को यह घोषणा की। इसी के साथ सरकार ने रूस से आग्रह किया है कि वह नेपाल के नागरिकों की भर्ती अपनी सेना में नहीं करे।

## गाजा में स्वास्थ्य क्षेत्र पर 200 से ज्यादा हमले हुए : डब्ल्यूएचओ

गाजा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंगलवार को कहा कि गाजा पट्टी में 200 से ज्यादा हमले हुए हैं। यहां पर 07 अक्टूबर से 28 नवंबर तक चिकित्सा सुविधाओं और स्वास्थ्य कर्मियों पर हमलों की संख्या अब तक 203 हो चुकी है। डब्ल्यूएचओ ने एक्स पर लिखा कि 07 अक्टूबर से 28 नवंबर तक, स्वास्थ्य देखभाल पर हमलों की एक अभूतपूर्व संख्या दर्ज की गई, अस्पतालों, एम्बुलेंस, चिकित्सा आपूर्ति पर 203 हमले, और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को हिरासत में रखना। यह अस्वीकार्य है, एकमात्र समाधान सतत युद्धविराम है। गौरतलब है कि 07 अक्टूबर को हमास ने गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन किया। इजरायल ने जवाबी हमला शुरू किया और गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया, जिससे पानी, भोजन और ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई। वहीं 27 अक्टूबर को इजरायल ने हमास के लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ गाजा पट्टी में एक जमीनी घुसपैठ शुरू की। जानकारी के अनुसार 24 नवंबर को कतर ने इजरायल और हमास के बीच एक अस्थायी संघर्ष विराम और कुछ कैदियों और बंधकों के आदान-प्रदान के साथ-साथ गाजा पट्टी में मानवीय सहायता के वितरण पर एक समझौते की मध्यस्थता की। हालांकि संघर्ष विराम को कई बार बढ़ाया गया, जो कि पिछले शुक्रवार को समाप्त हो गया। इसके बाद इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ लड़ाई फिर से शुरू की। इजरायल ने यह भी कहा कि हमास ने मानवीय विराम का उल्लंघन किया है।

## यात्री बस पेड़ से टकराई, 14 की मौत, 35 घायल

बैंकॉक। दक्षिण थाईलैंड के प्रचुआप खीरी खान प्रांत में एक यात्री बस पेड़ से टकरा गई। इससे हुई दुर्घटना में 14 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 35 यात्री घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार बस के सड़क से उतरकर एक पेड़ से टकरा जाने से यह भीषण हादसा हुआ है। स्थानीय मीडिया के हवाले से प्राप्त सूचना के अनुसार यह बस राष्ट्रीय राजधानी बैंकॉक से सोंगखला प्रांत के नथावी जिले जा रही थी। मौके पर पहुंचकर दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक जांच की जा रही है।

## ब्रिटेन में विदेशी कामगारों के लिए वीजा नियमों में हुई सख्ती

लंदन । ब्रिटेन में विदेशी कामगारों के लिए वीजा नियमों में सख्ती की गई है। मिली जानकारी के अनुसार सरकार ने देश में अप्रवासियों की संख्या को कम करने के लिए सख्त कदमों की घोषणा की जिनमें विदेशी श्रमिकों के लिए कौशल आधारित वीजा प्राप्त करने के लिए उच्च वेतन सीमा निर्धारित करना और परिवार के सदस्यों को अपने आश्रित के रूप में लाने पर रोक शामिल है। ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने ब्रिटिश संसद के निम्न सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में दिए एक बयान में खुलासा किया कि इस कार्रवाई के तहत स्वास्थ्य और देखभाल वीजा पर डॉक्टर अब अपने परिवार के किसी भी सदस्य को अपने साथ नहीं ला सकेंगे। बताया जा रहा है कि इस फैसले का असर भारतीयों पर भी पड़ेगा। कुशल श्रमिक वीजा के माध्यम से ब्रिटेन आने के लिए आवेदन करने वालों के लिए वेतन सीमा वर्तमान 26,200 ब्रिटिश पौंड से बढ़ाकर 38,700 ब्रिटिश पौंड कर दी जाएगी। वहीं पारिवारिक वीजा श्रेणी के तहत आवेदन करने वालों पर भी समान वेतन राशि लागू होगी, जो वर्तमान में 18,600 ब्रिटिश पौंड है। इस संबन्ध में क्लेवरली ने संसद को बताया कि आव्रजन नीति निष्पक्ष, सुसंगत, कानूनी और टिकाऊ होनी चाहिए। उन्होनें बताया कि यह नये नियम 2024 की शुरुआत में प्रभावी होंगे।

## पूर्व राजदूत पर क्यूबा की खुफिया एजेंसी के लिए काम करने का आरोप

वॉशिंगटन । बोलीविया में अमेरिका के राजदूत रहे एक पूर्व राजनयिक पर दशकों पहले क्यूबा की खुफिया एजेंसी के गुप्त एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगा है। न्याय विभाग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि नए लिफाफाबंद अदालती दस्तावेजों में आरोप लगाया गया है। जिसमें कहा गया है कि मैनुएल रोचा कम से कम 1981 से क्यूबा के लिए गुप्त गतिविधि में संलिप्त थे, जिसमें क्यूबा के खुफिया एजेंटों के साथ बैठक करना और अमेरिकी सरकार के अधिकारियों को गलत जानकारी प्रदान करना शामिल था। इस तरह से मियामी की संघीय अदालत में दायर अभियोजन शिकायत में रोचा पर दूसरे देश सरकार के अवैध एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाया गया है। यहां गौरतलब है कि रोचा (73) 25 साल तक अमेरिकी राजनयिक के तौर पर काम कर चुके हैं। इस दौरान वह बोलीविया, अर्जेंटीना और हवाना में अमेरिकी हित अनुभाग में शीर्ष पद रह चुके हैं।

## लाल सागर में नौवहन की सुरक्षा के लिए नौसेना कार्यबल स्थापित

वॉशिंगटन । अमेरिका ने कहा है कि वह लाल सागर में नौवहन की सुरक्षा के लिए नौसेना कार्यबल की स्थापना पर विचार कर रहा है। दरअसल यमन में ईरान समर्थित हूतियों द्वारा तीन पोत पर मिसाइल हमले किए जाने के एक दिन बाद अमेरिका ने कहा है कि वह लाल सागर में वाणिज्यिक पोतों की सुरक्षा के लिए एक नौसेना कार्यबल की स्थापना करेगा। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए ऐसे कदमों को स्वाभाविक प्रतिक्रिया बताते हुए कहा कि अमेरिका पोतों की सुरक्षा के लिए नौसेना कार्यबल के गठन को लेकर सहयोगी देशों के साथ सक्रियता से वार्ता कर रहा है हालांकि इसे अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिकी सेना ने बताया कि रविवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों से तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया, जबकि एक अमेरिकी युद्धपोत ने आत्मरक्षा में तीन ड्रोन को मार गिराया। जेक सुलिवन ने इस संबन्ध में संवाददाताओं से कहा कि हम एक समुद्री कार्यबल के बारे में अन्य देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जिसमें अमेरिका के साथ-साथ साझेदार देशों के जहाजों को भी सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह के कार्यबल का इस्तेमाल सोमालिया के तट सहित अन्य जगहों पर वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए भी किया जाता है।

## चार रिपब्लिकन उम्मीदवार राष्ट्रपति पद की चौथी बहस में शामिल

वाशिंगटन। चार रिपब्लिकन उम्मीदवार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की चौथी बहस में शामिल हो गए हैं। इनमें दो भारतीय-अमेरिकी भी हैं। रिपब्लिकन नेशनल कमेटी (आरएनसी) ने घोषणा की है कि भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली और विवेक रामास्वामी समेत राष्ट्रपति पद के चार रिपब्लिकन उम्मीदवार अलबामा में बुधवार रात को होने वाली चौथी बहस के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं। अन्य दो उम्मीदवार फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पद के चार उम्मीदवार टस्कलोसा में आमने-सामने होंगे, जो इस साल अब तक का सबसे छोटा बहस चरण होगा।

दक्षिण कोरिया के जेजू द्वीप के पास समुद्र के ऊपर एक परीक्षण उड़ान के दौरान एक ठोस ईंधन वाला अंतरिक्ष रॉकेट लॉन्च किया गया।

## इंडोनेशिया में फिर हुआ ज्वालामुखी विस्फोट, तलाशी अभियान में आई रुकावट

पडांग । इंडोनेशियाई में ज्वालामुखी विस्फोट के बाद तलाशी अभियान में रुकावट आ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बचावकर्मियों ने माउंट मरापी में सोमवार को फिर से हुए ज्वालामुखी विस्फोट के बाद 12 पर्वतारोहियों की तलाश रोक दी है। अधिकारियों ने बताया कि दोबारा हुए विस्फोट से आसमान में 800 मीटर तक राख की मोटी चादर फैल गई। वेस्ट सुमात्रा की खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख अब्दुल मलिक ने इस संबन्ध में कहा कि दिन में 11 पर्वतारोहियों के शव बरामद किए गए हैं, लेकिन दोबारा हुए विस्फोट के कारण उन्हें ले जाने के प्रयास में भारी परेशानी आई है। उन्होंने कहा कि स्थिति में सुधार होने के बाद तलाशी अभियान फिर से शुरू किया जाएगा। एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में बचावकर्मियों को एक घायल पर्वतारोही को स्ट्रेचर पर पहाड़ से बाहर निकालते हुए और अस्पताल ले जाने के लिए इंतजार कर रही एम्बुलेंस में डालते हुए दिखाया गया है।

इससे पहले माउंट मरापी में रविवार को भी विस्फोट हुआ था, जिससे आसमान में राख की मोटी परत छा गयी और राख के बादल कई किलोमीटर तक फैल गए। ज्वालामुखी विज्ञान और भूवैज्ञानिक आपदा शमन केंद्र के प्रमुख हेंड्रा गुनावां ने कहा कि ज्वालामुखी 2011 के बाद से चार चेतावनी स्तरों में से तीसरे उच्चतम स्तर पर बना हुआ है, यह स्तर सामान्य से ऊपर ज्वालामुखी गतिविधि का संकेत देता है तथा शिखर के तीन किलोमीटर क्षेत्र के भीतर पर्वतारोहियों और ग्रामीणों की आवाजाही को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि चोटी पर कोई चढ़ाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्वतारोहियों को कम खतरनाक क्षेत्रों में जाने की अनुमति थी, लेकिन उनमें से कई ने आगे चढ़ने की अपनी संतुष्टि को पूरा करने के लिए नियमों को तोड़ दिया।

# भारत के दुश्मन के पैर कब्र में लटके !

### पाकिस्तान की जेल में दिया गया जहर, वेंटीलेटर पर पड़ा है मुंबई हमलों का है मास्टरमाइंड आतंकी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की हत्याओं के बारे में रहस्य बरकरार रहने के बीच, 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक, वैश्विक आतंकवादी और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर साजिद मीर की सलामती के बारे में चर्चा और तेज होती दिख रही है। इससे पाकिस्तान के जिहादी हलकों में अनिश्चितता गहरा गई है। पिछले साल जून में आतंकवाद विरोधी अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद से कोट लखपत जेल में बंद मीर को अचानक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

रिपोर्टों से पता चलता है कि उन्हें जहर दिया गया था और तब से वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। यह उन रिपोर्टों के मद्देनजर आया है कि धमकी भरे इनपुट के कारण उन्हें डेरा गाज़ी खान जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। हालाँकि, यहाँ के सूत्र उन रिपोर्टों से सावधान दिखे, जिनमें संदेह जताया गया था कि ये लश्कर कमांडर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के विदेशी आग्रह से बचने के लिए पाकिस्तान के सैन्य-खुफिया तंत्र द्वारा एक चाल हो सकती है। पाकिस्तान पर दबाव असहनीय होने और एफएटीएफ द्वारा और

अधिक दंडित किए जाने का खतरा मंडराने के बाद ही मीर को आतंक के वित्तपोषण के आरोप में आठ साल की सजा सुनाई गई थी और उस पर 4.2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था।

लश्कर कमांडर को पिछले अप्रैल में गुप्त तरीके से हिरासत में लिया गया था, जबकि जून 2022 में एफएटीएफ की बैठक से ठीक पहले जेल की सजा सुनाई गई थी, जो एक अंतर सरकारी संगठन है जो आतंक के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग पर नज़र रखता है। भारतीय खुफिया सूत्रों ने यह भी कहा कि अमेरिका में उसके प्रत्यर्पण को रोकने के लिए उसकी मौत का नाटक करना भी एक धोखा हो सकता है। मीर, जिसके सिर पर एफबीआई द्वारा घोषित पांच मिलियन डॉलर का इनाम है, अमेरिकी सरकार द्वारा वांछित है। एफबीआई के मुताबिक, मीर (45) ने मुंबई हमले के बाद प्लास्टिक सर्जरी के जरिए अपना हुलिया बदल लिया था। वह एक समय में लश्कर-ए-तैयबा का विदेशी भर्तीकर्ता और अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का मुख्य संचालक था।

अमेरिकी न्याय विभाग के एक दस्तावेज़ में उल्लेख किया गया है कि कैसे 26/11 के हमलावर हमले के दौरान मीर और उसके सहयोगियों - अबू काहाफा और मजहर इकबाल - के साथ वास्तविक समय में टेलीफोन पर संपर्क में थे। मीर की सलाह पर, हेडली ने लश्कर की ओर से अपनी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए अपना दिया हुआ नाम 'दाऊद गिलानी' को बदलकर 'डेविड कोलमैन हेडली' कर लिया था, जिससे वह भारत में खुद को एक अमेरिकी के रूप में पेश कर सके जो न तो मुस्लिम था और न ही पाकिस्तानी। मीर ने हेडली को अपनी निगरानी गतिविधियों के लिए मुंबई में एक आव्रजन कार्यालय खोलने की सलाह दी और इसकी स्थापना के लिए उसे 25,000 डॉलर दिए गए।

## जापान में शुरू हुआ जेटी-60एसए नाम का सबसे बड़ा परमाणु रिएक्टर

**टोक्यो (एजेंसी)।** जापान में जेटी-60एसए नामक दुनिया का सबसे बड़ा न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर शुरू हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार यह विशाल मशीन, टोक्यो के उत्तर में नाका में एक हैंगर में स्थापित की गई है। यह स्वच्छ और असीमित ऊर्जा की खोज में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताई जा रही है।

गौरतलब है कि दुनिया में अभी जितने भी परमाणु संयंत्र हैं, वो सभी फिजन पर चलते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसे इसलिए बनाया गया है ताकि बड़े पैमाने पर, सुरक्षित तरीके से और कार्बन मुक्त ऊर्जा पैदा किया जा सके। बता दें कि जेटी-60एसए, छह मंजिला ऊंचा टोकामक, 200 मिलियन यानी 20 करोड़ डिग्री सेल्सियस तक गर्म किए गए प्लाज्मा को रखने और नियंत्रित करने के लिए डिजाइन किया गया है। जिसे बाद में लोगों या देश की जरूरत के हिसाब से बड़े पैमाने पर स्थापित किया जा सकता है। यूरोपीय संघ और जापान के बीच यह संयुक्त उद्यम वर्तमान में फ्रांस में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर के अग्रदूत के रूप में कार्य करता है। दोनों परियोजनाएं फिजन से शुद्ध ऊर्जा लाभ प्राप्त करने के लिए ही हैं। जो ऊर्जा प्रणालियों में क्रांति ला सकता है।

इस मामले में जेटी-60एसए के डिप्टी प्रोजेक्ट लीडर सैम डेविस ने बताया कि ये मशीन लोगों को फ्यूजन एनर्जी की तरफ लेकर आएगी। इसे बनाने में 500 साइंटिस्ट और इंजीनियर्स लगे हैं। ये यूरोप और जापान की करीब 50 कंपनियों से आए हैं। यह दुनिया का सबसे एडवांस टोकामाक है। फिजन से शुद्ध ऊर्जा लाभ की खोज हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रीय इग्निशन सुविधा में हासिल की गई। जो फ्यूजन एनर्जी के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने जा रही है।

## अंडमान सागर में फंसे 400 रोहिंग्या मुसलमानों को बचाने के हो रहे प्रयास

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अंडमान सागर में फंसे 400 रोहिंग्या मुसलमानों के बचाव के प्रयास तेज कर दिए हैं। बांग्लादेश से नाव लेकर ये लोग चले थे, लेकिन ये बीच में ही फंस गए। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने इन शरणार्थियों के लिए चेतावनी जारी की है। बताया जा रहा है कि ये सभी 400 लोग दो बड़ी नावों में सवार होकर बांग्लादेश से निकले थे। इनके पास खाने-पीने का सामान भी अब नहीं बचा है और वे अंडमान सागर में फंस गए हैं। एजेंसी के क्षेत्रीय प्रवक्ता बाबर बलूच ने चिंता जाहिर करते हुए कि अगर इन लोगों को नहीं बचाया गया तो नाव पर सवार सभी लोग मर सकते हैं। उन्होंने मीडिया को बताया कि अगर इन लोगों को बचाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया तो लगभग 400 बच्चे, महिलाएं और पुरुषों की मौत हो सकती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से रवाना हुई नावें लगभग दो सप्ताह से समुद्र में होने की सूचना है। एपी द्वारा संपर्क किए गए एक नाव के कप्तान ने कहा कि उसमें 180 से 190 लोग सवार थे, उनके पास भोजन और पानी नहीं था और इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था। कैप्टन मान नोकिम ने कहा, 'वे चिंतित हैं कि वे सभी मरने वाले हैं।' रविवार को, नोकिम ने कहा कि नाव थाईलैंड के पश्चिमी तट से 320 किलोमीटर दूर थी।

सोमवार को संपर्क करने पर थाई नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें नावों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। यूएनएचसीआर के प्रवक्ता बलूच ने कहा कि यह स्थान इंडोनेशिया के सबसे उत्तरी प्रांत आचे से सुमात्रा द्वीप पर लगभग इतनी ही दूरी पर है, जहां शनिवार को 139 लोगों के साथ एक और नाव उतरी थी। उन्होंने कहा कि उनमें 58 बच्चे, 45 महिलाएं और 36 पुरुष शामिल हैं, जो समुद्री यात्रा करने वालों के विशिष्ट संतुलन को दर्शाता है। पिछले महीने सैकड़ों लोग आचे पहुंचे। बता दें कि ये रोहिंग्या आमतौर पर बांग्लादेश में भीड़भाड़ वाले शरणार्थी शिविरों से आते हैं।

# इजरायल-हमास युद्ध के बीच घर में घिरे नेतन्याहू, भ्रष्टाचार के मामले की जांच शुरु

**तेलअवीव(एजेंसी)।** इजरायल-हमास युद्ध को शुरू हुए दो महीने का वक्त हो चुका है। गाजा पट्टी में इजरायल डिफेंस फोर्स कहर ढहा रही हैं। इसी बीच इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के लिए बुरी खबर आई। नेतन्याहू अपने ही देश में बुरी तरह घिरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार के एक मामले में जांच फिर से शुरू हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बेजेक-वाला रिश्वत मामले में प्रधानमंत्री के खिलाफ यरूशलेम में सुनवाई फिर से शुरू होगी।

युद्ध के कारण अदालत लगभग ढाई महीने के अवकाश पर थी, इस दौरान केवल अत्यावश्यक सुनवाई ही हुई थी। अदालत नेतन्याहू के विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों को अत्यावश्यक नहीं माना था, इसलिए युद्ध के कारण उन्हें रोक दिया गया था। इस मामले को केस 4000 के नाम से जाना जाता है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि नेतन्याहू ने समाचार वेबसाइट पर अनुकूल मीडिया कवरेज के बदले बेजेक टेलीकम्युनिकेशंस को लाभ पहुंचाने के लिए नियामक कदम उठाए। वाल्ला का स्वामित्व पहले बेजेक के पास था।

नेतन्याहू के राजनीतिक दल लिकुड के सदस्यों ने मामले को आगे बढ़ाने के लिए अभियोजकों की आलोचना की। कहा गया कि देश हमास के साथ युद्ध लड़ रहा है। उस वक्त में इन सब चीजों का कोई मतलब नहीं है। न्याय मंत्रालय में मंत्री और लिकुड सदस्य डेविड एम्सलेम ने कहा, 'युद्ध बंधक पलायनकर्ता अर्थव्यवस्था नहीं और नहींज अब जो सबसे महत्वपूर्ण है वह है इजरायल के प्रधानमंत्री को निराधार आरोपों और भ्रामक छोटी-छोटी बातों में उलझाना। हां, हांज्आपने सही पढ़ा। इसमें देरी करने का कोई कारण नहीं है। यह एक अपमान है!

इजरायली मीडिया के अनुसार, लाहव 433 प्रमुख अपराध इकाई के एरन बुचनिक और डोटन मालिची, और सिक्योरिटीज अथॉरिटी के जांचकर्ता , केस 4000 जांच टीम के जांचकर्ता लियोर शिपत्ज को अदालत के सामने गवाही देनी है।

# नया प्लान: सुरंगों में पानी भरकर हमास का खात्मा करेगी इजरायली सेना

**गाजा (एजेंसी)।** हमास और इजरायल के बीच चल रही जंग में नए नए दांव पेंच दिखाई दे रहे हैं। यहां इजरायली सेना जहां हमास के खात्मे के लिए नित नई रणनीति बना रही है वहीं हमास के आतंकी अपनी जान बचाते फिर रहे है। कहा जा रहा है कि हमास के सैकड़ों लड़ाके सुरंगों में छिपे हैं। इसके लिए आईडीएफ ने नई योजना तैयार की है। इन सुरंगों में पानी भरकर एक वबंडर तैयार किया जाएगा ताकि लड़ाके इससे बाहर आ जाएं। एक रिपोर्ट में इस तरह का बड़ा खुलासा किया गया है। इजरायल ने गाजा पट्टी के नीचे हमास की सुरंगों की प्रणाली को भूमध्य सागर से पंप किए गए समुद्री पानी से भरने की योजना तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार इसका उद्देश्य आतंकवादी समूह के मार्गों और पनाहगाहों के भूमिगत नेटवर्क को नष्ट करना और उसके लड़ाकों को जमीन से ऊपर ले जाना है। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इजरायल रक्षा बलों ने पिछले महीने गाजा

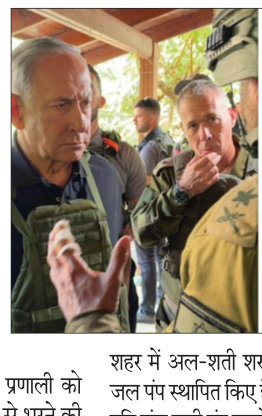

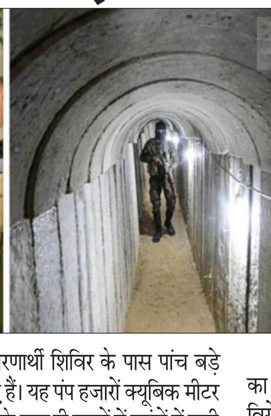

शहर में अल-शती शरणार्थी शिविर के पास पांच बड़े जल पंप स्थापित किए हैं। यह पंप हजारों क्यूबिक मीटर प्रति घंटा पानी पंप करके कुछ ही हफ्तों में सुरंगों में पानी भरने में सक्षम हैं।

अधिकारियों ने कहा कि इजरायल ने पिछले महीने योजना के बारे में अमेरिका को अलर्ट किया था, लेकिन अभी तक यह तय नहीं किया है कि इसे लागू किया जाए या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि दक्षिणी इजरायल में 7 अक्टूबर के हमले के दौरान हमास द्वारा अगवा किए गए सभी बंधकों को मुक्त करने के बाद आईडीएफ सुरंगों में पानी भरने के लिए कदम उठाएगा। क्योंकि यह आशंका जताई जा रही है कि आतंकवादी संगठन इन बंधकों को इसी सुरंग में छुपाकर रखा होगा।रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन प्रशासन में इजरायल के इस प्लान को लेकर राय मिश्रित थी, कुछ अधिकारियों ने इजरायली योजना के बारे में चिंता व्यक्त की। जबकि अन्य ने कहा कि वे सुरंगों को नष्ट करने के इजरायल के प्रयासों का समर्थन करते हैं और जरूरी नहीं कि कोई अमेरिकी विरोध हो। हलांकि वॉल स्ट्रीट जर्नल में इस प्लान को लेकर कई चिंताएं भी उजागर की गई हैं। इसमें कहा गया है कि इससे गाजा की मिट्टी को संभावित नुकसान हो सकता है। साथ ही अगर सुरंगों में समुद्री जल और खतरनाक पदार्थ का मिश्रण होता है तो यह काफी खतरनाक हो सकता है।

## नीलकंठ नामक पक्षी से बचकर रहना, भाग जाता है आंख निकाल कर

सैन फ्रांसिस्को । इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें नीलकंठ नामक पक्षी को इंसान की आंख निकालकर भागते हुए दिखाया गया है। इसी तरह हाल ही में सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अपने ऊपर एक पक्षी द्वारा अटैक का वीडियो शेयर किया। इस पक्षी को लोग मैगपाई के नाम से जानते हैं। ये पक्षी लोगों की आंख पर हमला कर उन्हें अंधा बना देते हैं। हाल ही में एक लड़की ने अटैक का लाइव वीडियो शेयर किया। ब्रिटेन में इन दिनों मैगपाई अर्थात नीलकंठ के हमले की घटनाएं काफी बढ़ गई है। ये पक्षी अपने घोंसले में मौजूद बच्चों के बचाव में हमला करते हैं। चूंकि, इंसानों ने जंगल काट दिए हैं, इस वजह से ये मैगपाई इंसानों के बेहद नजदीक रहने लगे हैं। ये इंसानों के इर्दगिर्द ही घोंसले बनाकर रहते हैं। ऐसे में जैसे ही कोई इंसान इनके घोंसले के नजदीक पहुंचते हैं, ये सीधे अटैक कर देते हैं। जानकारों की मानें तो मैगपाई ऐसा पक्षी है, जो खतरा भांपते ही अटैक कर देता है। ऐसे में लोग जैसे ही इन पक्षियों के घोंसले के नजदीक जा रहे हैं, वैसे ही ये पक्षी अटैक कर देते हैं। ये पक्षी चमकती चीजों पर हमला करते हैं। जैसे ही इंसान इनके घोंसले के नजदीक से गुजरते हैं, ये पक्षी उनके आंख पर अटैक कर देते हैं। ऐसा इस कारण कि इंसान की आंखें चमकती है। हालांकि अभी तक मैगपाई के अटैक के कई मामले सामने आ चुके हैं। सोशल मीडिया पर एक महिला ने इस अटैक का लाइव वीडियो शेयर किया। इसमें एक पक्षी सीधे महिला की आंख फोड़ता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर जैसे ही ये वीडियो शेयर किया गया, लोग डर से कांप गए। कई लोगों ने इसे नए फियर का अनलॉक होना बताया। कई ने महिला के बारे में सवाल किये कि वो ठीक तो है ना? कई लोगों ने इस वीडियो को देखने के बाद हैरानी जताई। उन्होंने लिखा कि महिला खुद को बचा सकती थी। वो सिर्फ वीडियो क्यों बनाती रह गई। वहीं मैगपाई अटैक के और भी कई वीडियो सोशल मीडिया पर देखे जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बिजली बिल के नाम पर बैंक खातों से की जा रही है साइबर ठगी

जमुई । लोगों को साइबर ठगी से बचाने के लिए पुलिस जागरूकता अभियान चला रही है। बावजूद इसके पढ़े-लिखे लोग भी साइबर फ्रॉड में फंस कर ठगे जा रहे हैं। जमुई में फिर एक बार साइबर फ्रॉड हुआ है। जहां बिजली विभाग का एसडीओ बनकर साइबर ठग ने एक महिला के बैंक खाते से करीब 7 लाख रुपए गायब कर दिये। ठगी की शिकार महिला व्यवसाई ने जमुई साइबर थाना में आवेदन दे कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। साइबर ठग ने इसके बैंक के खाते से एनी डेस्क ऐप से 6 लाख 88 हजार रुपये उड़ा लिये हैं। जमुई जिले के साइबर थाने में आवेदन देने वाली महिला गुलाबी कुमारी ने बताया है कि उसके पति अरुण कुमार तांती के मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आया। कॉल रिसीव करने पर दूसरे तरफ से एक शख्स ने बोला कि हम बिजली विभाग का एसडीओ बोल रहे हैं आपका बिजली बिल अपडेट नहीं है, हम आपकी बिजली काट रहे हैं। फिर वह शख्स बोला कि 10 रुपया का रिचार्ज कर दो तो बिजली बिल अपडेट हो जाएगा। फिर उस शख्स ने सुविधा एप से 10 रुपये का रिचार्ज कराया और एक लिंक भेज कर झांसे में लेते हुए एनीडेस्क ऐप का कोड डाउनलोड कर 10 अंकों का कोड उसके पति से ले लिया। उसके बाद महिला के दो बैंक खातों से 6 लाख 88 हजार रुपये की राशि निकाल ली। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से एक और कॉल आया। वह संबंधित व्यक्ति भी फ्रॉड में शामिल था। इस मामले में साइबर थाने के इंस्पेक्टर संजीव कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है। कार्रवाई की जा रही है।

## तीन राज्यों में जीते कई सांसदों व मंत्रियों की लोकसभा सदस्यता खत्म होने का खतरा

नई दिल्ली । तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में शानदार जीतने के बाद भले ही भाजपा ने सरकार बनाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं, लेकिन भाजपा के सामने उस मामले में फैसला लेने की चुनौती भी है जिसमें कई सांसद चुनाव जीतकर विधायक बन गए हैं। भाजपा द्वारा 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीतने के लिए दिग्गजों को चुनाव में उतारा गया था। इनमें 21 सांसद और केंद्रीय मंत्री भी हैं। जिनमें 12 सांसद और केंद्रीय मंत्री चुनाव जीत गए हैं। यह मुद्दा भाजपा के गले की फांस बन गया है क्योंकि इन चुने विधायकों को 14 दिन में तय करना है कि उन्हें दोनों में से कौन-सा पद रखना है। वर्ना उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म हो जाएगी। इनमें सबसे ज्यादा 5 सांसद मध्य प्रदेश से जीते हैं, जबकि राजस्थान में यह आंकड़ा 4 और छत्तीसगढ़ में 3 है। आने वाले समय में लोकसभा चुनाव होने हैं। अब इन सांसदों से इस्तीफा लिया जाता है तो उनकी खाली हुई सीटों पर नए चेहरों की तलाश करनी होगी। इस दौर में भी भाजपा दिग्गजों को केंद्रीय राजनीति में रखने के लिए 3 राज्यों में नए चुने किसी विधायक से इस्तीफा लेगी तो उस सीट पर विधानसभा उपचुनाव करवाना होगा। भाजपा द्वारा जिन सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतारा गया था उनमें केंद्रीय मंत्रि भी हैं। जिनमें से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल, रेणुका सिंह को जीत हासिल हुई है जबकि फग्गन सिंह कुलस्ते हार गए हैं।

## अरब सागर में 40 मछुआरों वाली नाव लापता, तलाश शुरू

बेंगलुरु । अरब सागर में 40 मछुआरों को ले जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव लापता हो गई है। यह घटना राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार की है। सूत्रों के अनुसार, नाव पिछले सप्ताह कर्नाटक के अधिकार क्षेत्र में अरब सागर में मौसम की विपरीत स्थिति के बीच लापता हो गई थी। गोवा में पंजीकृत क्रिस्टोरी नाम की नाव के इंजन में तकनीकी समस्याओं का सामना करने और तेज हवाओं के कारण नाव के बह जाने का संदेह है। सूत्रों के मुताबिक, यह गोवा के पणजी से रवाना हुआ था और आखिरी जीपीएस सिग्नल उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में बेलिकेरी के पास रिकॉर्ड किया गया था। चार दिन तक सिग्नल नहीं मिलने के बाद तटीय गार्डों ने लापता नाव का पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया है।

## ईवीएम पर सवाल उठाना जनता के जनादेश का अपमान : मेघवाल

नई दिल्ली । 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में आए नतीजों के बाद देश में ईवीएम पर बहस शुरू हो गई है। कांग्रेस ने ईवीएम पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है, वहीं जवाब में भाजपा उन्हें कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना की जीत की याद दिला रही है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भाजपा की जीत पर सवाल उठाकर ईवीएम से वोटिंग पर सवाल उठाया। कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार कर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि विपक्ष को नकारात्मकता छोड़नी चाहिए, लेकिन विपक्ष ऐसा करने को तैयार नहीं है। मेघवाल ने कांग्रेस से सवाल पूछा कि जब वह कर्नाटक में जीते थे, हिमाचल प्रदेश में जीते थे, तब क्या उस समय ईवीएम से वोटिंग नहीं हुई थी क्या ? उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग तमाम तथ्यों की जांच करने के बाद, परीक्षण करने के बाद ईवीएम को लेकर सारे तथ्य सामने रख चुका है। इसके बाद भी शिकायत बार-बार करना सही नहीं है। अगर कांग्रेस को कोई शिकायत है, तब उन्हें चुनाव आयोग के पास जाकर अपनी बात रखनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चुनावी नतीजे पर सवाल उठाना एक तरह से मतदाताओं का अपमान है। संसद भवन परिसर में केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने भी कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार कर कहा कि जब वे हिमाचल और कर्नाटक में जीत तब ईवीएम पर सवाल नहीं उठाया, इस बार भी वे तेलंगाना में चुनाव जीते हैं लेकिन वहां भी ईवीएम पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष कर कहा कि विपक्ष को न तो जनता पर विश्वास है और न ही चुनाव पर विश्वास है और इस तरह से जनादेश को अस्वीकार करना उनकी बहुत ही छोटी सोच है।

## कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की याचिका पर 6 दिसंबर को सुनवाई

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने 2017 के चुनाव आयोग रिश्वतखोरी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामले को रद्द करने की मांग करने वाली कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की याचिका पर 6 दिसंबर को सुनवाई होगी। चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) और अभियोजन शिकायत को रद्द करने की मांग कर रहा है। उसने ट्रायल कोर्ट से यह भी अनुरोध किया है कि वह उसके समक्ष लंबित आपराधिक मामले को आगे न बढ़ाए। जैसा कि ईडी ने तर्क दिया कि चंद्रशेखर की एक समान याचिका पहले से ही उच्च न्यायालय में लंबित है, चंद्रशेखर के वकील ने स्पष्ट किया कि पिछली याचिका में उनके खिलाफ आरोप तय करने को चुनौती दी गई थी। याचिका में तर्क दिया गया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के स्थापित सिद्धांतों के अनुसार, किसी व्यक्ति को मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी नहीं ठहराया जा सकता, यदि उसे विधेय अपराध में बरी कर दिया गया हो या यदि मामला रद्द कर दिया गया हो। इसमें आरोप लगाया गया है कि ईडी की जांच और मुकदमे की कार्यवाही कानून के स्थापित सिद्धांतों का उल्लंघन है और इसका उद्देश्य परेशान करना और पूर्वाग्रह पैदा करना है। चंद्रशेखर पर तमिलनाडु में उपचुनाव के लिए पार्टी का चुनाव चिह्न दो पत्तियां सुरक्षित करवाने के लिए पूर्व अन्नाद्रमुक नेता टी.टी.वी. दिनाकरन से धन लेने का आरोप है।

## 50 से ज्यादा कंपनियों के कफ सिरप के सैंपल, टेस्ट में फेल

नई दिल्ली । देश में इन दोनों दवा निर्माता कंपनियों द्वारा अमानक दवाइयां बनाकर महंगे दामों पर बेची जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के पास पर्याप्त संख्या में ड्रग इंस्पेक्टर नहीं है। दुकानों से सैंपल इकट्ठे नहीं किया जा रहे हैं। जिसके कारण दवा निर्माता कंपनियां भारी लूट मचाते हुए आम आदमियों के जीवन से खिलवाड़ कर रही हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा कफ सिरप के 54 कंपनियों से 2104 नमूने परीक्षण के लिए एकत्रित किए गए थे। 54 कंपनियों में से मात्र चार कंपनियों के कफ सिरप मानक पर खरा खरे उतरे हैं। जबकि 50 कंपनियों के कफ सिरप अमानक पाए गए हैं। गुजरात की औषधि एवं खाद्य प्रयोगशाला के 385 मुंबई की सेंट्रल ड्रग्स टेस्टिंग लैबोरेट्री में 523 चंडीगढ़ प्रयोगशाला में 284 गाजियाबाद के भारतीय फार्माकोपिया आयोग ने 502 नमूना का विश्लेषण किया। इसमें 50 कंपनियों के कफ सिरप पूरी तरीके से अमानक पाए गए हैं। उल्लेखनीय है जीसीआई ने जांच प्राथमिकता के आधार पर करने के आदेश दिए थे। रिपोर्ट भी जल्दी देने के आदेश किए गए थे। उल्लेखनीय है कि गुजरात के खेड़ा जिले में कफ सिरप के पीने से 5 लोगों की मौत हो गई थी। दो लोग बीमार हो गए थे। उसके बाद व्यापक स्तर पर इसकी जांच कराई गई। जिसमें 50 कंपनियों के कफ सिरप पूरी तरीके से अमानक पाए गए। पिछले वर्ष भारतीय कंपनियों के कफ सिरप से उज्बेकिस्तान में 89 बच्चों की मौत हुई थी। तभी मामले ने बड़ा तूल पकड़ा था।

# गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश ने बढ़ाई टेंशन, भारत पहुंचा अमेरिका जांच दल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश मामले में भारत पर लगे आरोपों को लेकर मामला शांत होता नजर नहीं आ रहा है। इस मामले में अमेरिका लगातार सवाल खड़े कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के टॉप नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर या कहें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भारत के साथ कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली आए हैं। पन्नू की अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश मामले में भारत पर लगे आरोपों पर भी बात करने वाले हैं। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी है।

व्हाइट हाउस की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया, प्रिंसिपल डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जॉन फाइनर भारत के डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर विक्रम मिस्री के साथ मुलाकात की। फाइनर ने महत्वाकांक्षी यूएस-इंडिया इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में हुई प्रगति की समीक्षा करने के लिए 4 दिसंबर को

बयान में आगे कहा गया, फाइनर ने अमेरिका में हत्या की साजिश को लेकर भारत के जरिए जांच समिति की स्थापना की जानकारी ली। उन्होंने इस मामले में जिम्मेदार व्यक्ति को जवाबदेह ठहराने के महत्व को स्वीकार भी किया।

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहता है। उसके पास कनाडा और अमेरिका दोनों की नागरिकता है। अमेरिका में भले ही लोग उसे सामाजिक कार्यकर्ता और वकील के तौर पर जानते हैं। मगर वह वहां से बैठे-बैठे ही भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने में जुटा रहता है। पन्नू सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) नाम के खालिस्तानी संगठन का प्रमुख भी है। पन्नू और उसके संगठन दोनों पर भारत सरकार ने बैन लगाया हुआ है।

दरअसल, पिछले हफ्ते अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने 52 वर्षीय भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के ऊपर पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में शामिल होने के आरोपों के तहत मुकदमा चलाया। जस्टिस डिपार्टमें की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया, भारत सरकार के एक सरकारी कर्मचारी ने निखिल गुप्ता के अलावा अन्य लोगों के साथ मिलकर अमेरिका की धरती पर न्यूयॉर्क सिटी में रहने वाले भारतीय मूल एक अटॉर्नी और पॉलिटिकल एक्टिविस्ट की हत्या की कोशिश की।

## मोदी सरकार की पहल, केवल लड़कियों के लिए सैनिक स्कूलों की स्थापना मथुरा के संविद गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल का नाम

नई दिल्ली । भारत में जल्दी ही इसतरह के सैनिक स्कूल खुलने जा रहा है, जो केवल लड़कियों के लिए होगा। अभी तक देश में कोई सैनिक स्कूल ऐसा नहीं है, जो केवल लड़कियों के लिए बनाया गया हैं। हालांकि देश में को-एजुकेशन वाले सैनिक स्कूल मौजूद हैं, जिसमें लड़के और लड़कियां दोनों एक साथ पढ़ते हैं। हालांकि अब पीपीपी मॉडल के तहत शुरू किए जा रहे सैनिक स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से स्कूल शुरू किया जा सकता है। रक्षा राज्य मंत्री के मुताबिक, हाल ही में उत्तर प्रदेश में मथुरा में संविद गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल को लड़कियों के लिए सैनिक स्कूल के रूप में मंजूरी दी गई। इस बारे में रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने राज्यसभा में बताया कि पूर्ववर्ती पद्धति के तहत देश में 33 सैनिक स्कूल स्थापित किए गए हैं। इन स्कूलों में उत्तर प्रदेश के अमेठी, झांसी और मैनपुरी में स्थापित किए गए तीन सैनिक स्कूल भी शामिल हैं। भट्ट ने बताया कि ये सभी स्कूल सहशिक्षा वाले हैं। पूर्ववर्ती पद्धति के तहत केवल लड़कियों के लिए ही सैनिक स्कूलों की स्थापना करने के बारे में विचार नहीं किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में गैर सरकारी संगठनों, निजी व राज्य सरकार के स्कूलों के साथ साझेदारी मोड में 100 नए सैनिक स्कूलों की स्थापना करने की पहल के तहत केवल लड़कियों के लिए ही सैनिक स्कूलों की स्थापना करने के बारे में कोई प्रतिबंध नहीं है। रक्षा राज्य मंत्री के मुताबिक, इस संबंध में, मथुरा में संविद गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल को लड़कियों के लिए सैनिक स्कूल के रूप में मंजूरी दी गई है।

# मध्य प्रदेश में भाजपा को नहीं मिल रहा शिवराज का विकल्प, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सीएम की तलाश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल की है। तीनों ही राज्यों में कई दिग्गज नेता हैं जो वर्षों से मुख्यमंत्री पद की आस लगाए बैठे हैं। ऐसे में भाजपा के शीर्षस्थ नेताओं के लिए मुख्यमंत्री तय करना चुनौती बन गया है। किसे खुश करें और किसे नाराज, बस इसी उलझन को सुलाझाने लिए राज्यों की राजधानियों से लेकर देश की राजधानी तक विचार मंथन शुरु हो गया है। राज्यों के कई नेताओं ने दिल्ली में ढेरा डाल दिया है तो कुछ अपनी बयानबाजी से भाजपा हाईकमान को खुश करने के प्रयास भी करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ में गोमती साय और राजस्थान में किसी बाबा को राज्य की कमान सौंपी जा सकती है।

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को राज्य की कमान सौंपने की संभावना प्रबल बताई जा रही है। वजह ये है कि मुख्यमंत्री चौहान अपनी लोकप्रियता और सभी स्वीकार नेता के रुप में पहचान बना चुके है। उनकी योजनाओं ने आम लोगों को प्रभावित किया है। इसके अलावा चौहान की जमीनी पकड़ भी फिलहाल कम नहीं हुई है। उन्होंने 120 लोगों को टिकट दिलाए थे जिसमें से 89 विधायक जिताकर लाए हैं। इसलिए माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश में सीएम शिवराज सिंह चौहान को बनाया जा सकता है। छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां प्रमुख रुप से गोमती साय का नाम सीएम की रेस में लिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष अरुण कुमार साव, निवर्तमान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक और पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी को भी मुख्यमंत्री पद का संभावित दावेदार माना जा रहा है। सिंह को छोड़कर बाकी तीनों नेता अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। हालांकि, यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि भाजपा नेतृत्व मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के चयन में अपने फैसले से पहले भी कई बार हैरान कर चुका है। इसी तरह राजस्थान में भी मुख्यमंत्री पद की रेस में कई नाम आ रहे हैं। यहां कुछ बाबाओं को सपने में सीएम की कुर्सी दिखाई दे रही है। कोई मीट की दुकाने बंद कराने के निर्देश दे रहा है तो कोई गुंडे बदमाशों बंगाल और कर्नाटक भेजने की सलाह दे रहा है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बनने की होड़ में इन आचार्य बालमुकुंद और बाबा बालकनाथ का नाम चर्चा में है। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के लिए वसुंधरा राजे का नाम सबसे आगे चल रहा है। जबकि ओम माथुर, ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का भी नाम चर्चा में है।

बता दें कि 17 नवंबर को मध्य प्रदेश के 230 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ, जिसके नतीजे 3 दिसंबर को सामने आए. जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने 160 सीटों पर जीत हासिल की. वहीं कांग्रेस पार्टी महज 65 सीटों पर सिमट कर रह गई। वहीं 25 नवंबर को राजस्थान के 199 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था, जिसका रिजल्ट 3 दिसंबर को घोषित किया गया। इस दौरान बीजेपी ने 115 सीटों पर जीत हासिल की. जबकि कांग्रेस केवल 69 सीटों पर रह गई।

## बुलेट ट्रेन के लिए समुद्र के नीचे बनने जा रही है देश की पहली सुरंग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बुलेट ट्रेन के लिए देश की पहली समुद्र के नीचे सुरंग बनने वाली है। जिसके निर्माण का काम शुरू करने का समय तय हो गया है। यह सुरंग 21 किमी लंबी होगी। सबसे अहम बात यह है कि सात किमी सुरंग समुद्र के नीचे बनेगी, जिसका निर्माण मुंबई में होगा। पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन का काम अब रफ्तार पकड़ने वाला है। बताया जा रहा है कि मुंबई से अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होगी। यहां पर पूरा स्टेशन और ट्रैक दोनों भूमिगत होंगे। यहां से सुरंग बनेगी जो समुद्र के नीचे से होकर जाएगी। इस सुरंग का निर्माण अपने आप में चैलेंज है, क्योंकि यह सुरंग सात किमी समुद्र के नीचे से गुजरेगी। रेलवे मंत्रालय के अधिकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव से पहले काम चालू हो जाएगा। संभावना है कि मार्च 2024 से सुरंग के लिए खुदाई शुरू हो जाएगा। इसके लिए टेंडर पहले ही दिए जा चुके हैं। गौरतलब है कि देश में पहली बार समुद्र के नीचे सुरंग बनने जा रही है। अभी तक इस तरह की टनल बोरिंग मशीन नहीं है, अब अलग-अलग देशों से टीबीएम के पाट्र्स मंगाए जा रहे हैं और यहीं पर असेंबल किए जाएंगे। इसके बाद खुदाई का काम शुरू हो जाएगा। मंत्रालय के अनुसार दो से तीन माह में टीबीएम असेंबल हो जाएगी।

बता दें कि यह सुरंग बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स भूमिगत स्टेशन और शिलफाटा के बीच होगी। इस समय देश में तमाम शहरों में अंडरग्राउंड मेट्रो चल रहीं हैं, इसके लिए भी सुरंग बनाई गयी थीं, लेकिन कोई सुरंग पानी के नीचे नहीं बनी है। हालांकि कोलकाता में हुबली के नीचे सुरंग है लेकिन वह केवल 520 मीटर लंबी है। समुद्र के नीचे इस तरह का निर्माण नहीं हुआ है। इसलिए यह सुरंग मेट्रो से अलग है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए सुरंग निर्माण में टनल बोरिंग मशीन और न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का इस्तेमाल किया जाएगा। विदेशों में यह तकनीक सफल है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किमी लम्बी भारत की पहली हाई स्पीड रेल लाइन का निर्माण कर रहा है, जिसका 352 किमी मार्ग गुजरात के नौ और महाराष्ट्र के तीन जिलों से होकर गुजरेगा।

## अब शुरू हुई लोकसभा चुनाव में 186 सीटों पर भाजपा को टक्कर देने की चुनौती

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस के सामने असल चुनौती तो अब शुरू हुई हैं। जानकार बता रहे हैं कि कांग्रेस भले ही विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन के बाद राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन की गतिविधियों को आगे बढ़ाकर भाजपा के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खड़ा कर दे, लेकिन उसके सामने असल चुनौती भाजपा के खिलाफ खुद लड़ने की है। पिछले दो चुनावों के आंकड़ों पर ध्यान दें तो कांग्रेस भाजपा के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों पर हारी है। पिछले चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के मध्य 186 लोकसभा सीटों पर सीधा मुकाबला था और कांग्रेस इसमें से महज 15 सीटें ही जीत पाई थी। जबकि 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों में से 162 सीटें जीती थीं और कांग्रेस को महज 24 सीटें हासिल हुई थी। 2014 के बाद 2019 के चुनाव में भाजपा के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों पर कांग्रेस की जीत का प्रतिशत कम हो गया था और उसने अपनी 9 सीटें गंवा दी थीं।

कांग्रेस 2023 में हिमाचल और कर्नाटका विधानसभा चुनाव में मिली जीत से काफी उत्साहित है। उसने इन विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इसके बावजूद असली चुनौती लोकसभा चुनाव की है, जहां उसे पिछले दो लोकसभा चुनावों में हुई अपनी हार का विश्लेषण करते हुए नए तरीके से रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। कांग्रेस भाजपा के साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल, उत्तराखंड के अलावा कर्नाटका व महाराष्ट्र की कुछ सीटों पर सीधे मुकाबले में होगी और पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इन सारे राज्यों में कांग्रेस का लगभग सफाया कर दिया था। अब कांग्रेस यदि अपनी सीटें न बचा पाई तो लोकसभा में उसकी स्थिति पहले वाली ही रह सकती है।

# मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस ने पीएम से पूछा सवाल, शांति बहाली के लिए क्यों नहीं की पहल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मणिपुर की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कांग्रेस ने मंगलवार को पीएम मोदी से सवाल किया है। कांग्रेस ने पूछा कि अभी तक केन्द्र ने शांति बहाली के लिए कोई कदम क्यों नहीं उठाया। कांग्रेस ने मांग की है कि नरेन्द्र मोदी को अपनी 'चुप्पी तोड़ते हुए बातचीत शुरू करनी चाहिए ताकि पूर्वोत्तर के इस राज्य में एक ऐसा समाधान निकल सके जो सभी पक्षों को स्वीकार्य हो। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह सवाल किया कि केंद्र सरकार ने राज्य में शांति बहाली के लिए अब तक कोई प्रत्यक्ष कदम क्यों नहीं उठाया? गौरतलब है किल मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में सोमवार को उग्रवादियों के दो समूहों के बीच हुई गोलीबारी में कम से कम 13 लोग मारे गए। राज्य में सात महीने पहले शुरू हुए अशांति के दौर में अब तक 180 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

कांग्रेस नेता खरगे ने 'एक्स पर पोस्ट किया, 'मणिपुर में सात महीने तक हिंसा जारी रहना अक्षम्य है। कथित गोलीबारी में 13 और लोगों की मौत हो गई है। पिछले 215 दिनों में 60,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। राहत शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित लोग रह रहे हैं जहां स्थिति अमानवीय और संतुष्टि से दूर है। उन्होंने सवाल किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त होने का जिम्मेदार कौन है?

कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी पूछा कि सीएम एन बीरेन सिंह के पद पर बने रहने के लिए कौन जिम्मेदार है? केंद्र सरकार द्वारा गठित शांति समिति ने मणिपुर में शांति, सामान्य स्थिति और सद्भाव बहाल करने के लिए कोई प्रत्यक्ष कार्य क्यों नहीं किया है?

उन्होंने कहा कि मणिपुर में कई राजनीतिक दलों के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी ने मांग की है और फिर से दोहराया है कि केवल माननीय प्रधानमंत्री के साथ विस्तृत चर्चा से ही संघर्ष का कोई ऐसा समाधान निकल सकता है जो सभी संबंधित पक्षों को स्वीकार्य हो। हमें पूरी उम्मीद है कि वह ऐसा करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स पर लिखा कि अब 7 महीने हो चुके हैं। मणिपुर में हालात सामान्य से काफी दूर हैं। कल ही हिंसा का एक ताजा दौर शुरू होने की खबर आई जिसमें 13 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह का दावा है कि राज्य में शांति लौट आई है लेकिन जमीनी हकीकत इसके हटकर है।

# केसीआर के अतिआत्मविश्वास ने तेलंगाना में डूबो दी सरकार

**हैदराबाद (एजेंसी)।** ऐसा लगाता है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेतृत्व सत्ता विरोधी लहर को समझने में विफल रहा और लगभग सभी मौजूदा विधायकों को दुबारा टिकट दिया गया। इससे पार्टी को भारी कीमत चुकानी पड़ी, क्योंकि लगभग एक दशक तक देश के सबसे युवा राज्य पर शासन करने के बाद बीआरएस को कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवानी पड़ी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कुछ वर्गों में बीआरएस नेतृत्व के अहंकारी होने की सार्वजनिक धारणा और भ्रष्टाचार के आरोप भी पार्टी की बुरी तरह से हार के लिए जिम्मेदार अन्य कारक थे। पार्टी नेतृत्व का चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों और इतना ही नहीं एग्जिट पोल को भी स्वीकार करने से इनकार करना दर्शाता है, कि वह अपनी संभावनाओं को लेकर अति आत्मविश्वास में थी।

चूंकि 119 सदस्यीय विधानसभा में पार्टी के कुल 104 विधायक थे, इसकारण केसीआर को लगाता था कि भले ही पार्टी कथित सत्ता विरोधी लहर के कारण 40 सीटें हार जाए, फिर भी वह सत्ता रहेगी। जैसा कि बाद में पता चला, पार्टी को 65 सीटों का भारी नुकसान हुआ, लगभग उतनी ही सीटें जितनी कांग्रेस ने सत्ता हासिल करने के लिए जीती हैं। टीआरएस (अब बीआरएस) ने 2014 में 63 सीटें जीतकर सत्ता की अपनी यात्रा शुरू की थी। यह एक नया राज्य था और वहां तेलंगाना की प्रबल भावना थी। केसीआर ने लगभग छह दशकों तक संयुक्त आंध्र प्रदेश में हुए भेदभाव के बाद राज्य को पुनर्निर्माण के पथ पर ले जाने का वादा किया था। उन्होंने स्थिति मजबूत करने के लिए कांग्रेस, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और अन्य दलों के विधायकों को लालच दिया। केसीआर ने अपनी सरकार के प्रदर्शन पर नए जनादेश की मांग कर 2018 में समय पूर्व चुनाव कराने का जुआ खेला। वापसी के प्रति आश्वस्त होकर, उन्होंने अधिकांश मौजूदा विधायकों को बरकरार रखा और चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से बहुत पहले उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। केसीआर का दांव काम कर गया और पार्टी ने 88 सीटों के भारी बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखी। चुनाव के बाद, केसीआर ने मुख्य विपक्षी दल का लगभग सफाया करने के लिए कांग्रेस के एक दर्जन विधायकों को लालच दिया। अन्य दलों के चार और विधायक भी बीआरएस में शामिल हो गए, जिससे इसकी संख्या 104 हो गई।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, विधायक खरीदना भी लोगों के गले नहीं उतरा। हालांकि इस बार केसीआर ने समय से पहले चुनाव नहीं कराया, लेकिन उन्होंने नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होने से लगभग ढाई महीने पहले 21 अगस्त को 115 उम्मीदवारों की घोषणा की। सात बदलावों को छोड़कर, उन्होंने सभी मौजूदा विधायकों को टिकट दिया। लंबे अंतराल ने कांग्रेस को असंतुष्ट बीआरएस नेताओं को अपने गुट में लाने का समय भी दे दिया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी.रामा राव ने पार्टी द्वारा किए गए सर्वेक्षणों का हवाला देकर दावा किया था कि पार्टी को 2018 में हासिल की गई सीटों से अधिक सीटें मिलेंगी। अपने ही कर्मचारियों के एक वर्ग की संलिप्तता से तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों के लीक होने, बार-बार परीक्षाओं को स्थगित करने और यहां तक कि रद्द करने के कारण नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को होने वाली समस्याओं और कुछ कथित आत्महत्याओं को लेकर बेरोजगार युवाओं में गुस्सा है। इन कारकों ने बेरोजगार युवाओं के एक बड़े वर्ग को केसीआर सरकार के खिलाफ कर दिया।

राजनीतिक विश्लेषक पलवई राघवेंद्र रेड्डी ने कहा कि कुछ लोग मनाते हैं कि भाजपा और बीआरएस के बीच एक मौन सहमति थी। इस विचार को तब बल मिला जब केंद्र की भाजपा सरकार कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में केसीआर की बेटी के. कविता के प्रति नरम रुख अपनाती दिखी। भगवा पार्टी के नेताओं ने पहले यह प्रचार किया था कि उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। कई आलोचकों ने भाजपा पर केसीआर की चुप्पी पर सवाल उठाए, जबकि कुछ महीने पहले वह भगवा पार्टी पर पूरी तरह हमला बोल रहे थे। वह भाजपा द्वारा बीआरएस विधायकों को तोड़ने के कथित प्रयास पर भी चुप हो गए थे। पिछले साल अक्टूबर में एक भाजपा नेता के तीन कथित एजेंटों को रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद केसीआर ने भाजपा द्वारा उनकी सरकार को गिराने की साजिश का आरोप लगाया था, जब वे बीआरएस के चार विधायकों को भारी धन की पेशकश के साथ लुभाने की कोशिश कर रहे थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

# एथर अग्निकांड मामले में एनजीटी ने हस्तक्षेप किया, कलेक्टर और जीपीसीबी को नोटिस जारी

## अग्निकांड मामले में गठित जांच कमेटी बुधवार शाम तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी

## सचिन जीआईडीसी स्थित एथर केमिकल कंपनी में लगी थी आग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की एथर इंडस्ट्रीज में आग लगने से ९ निर्दोष कर्मचारियों की मौत हो गई। फिर इस मामले में एनजीटी मैदान में आ गई है। पूरे मामले में एनजीटी की ओर से स्वतः संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया गया है। एनजीटी ने कलेक्टर और जीपीसीबी को नोटिस जारी कर ८ दिसंबर को होने वाली सुनवाई में पेश होने का अल्टीमेटम दिया गया है। कोर्ट द्वारा मुआवजे की जांच के लिए एनजीटी एक कमेटी का गठन करेगी। समिति इस बात की भी जांच करेगी कि कंपनी द्वारा घोषित मुआवजे का भुगतान किया गया है या नहीं। एनजीटी के स्वतः संज्ञान के अलावा सूरत के दो संगठनों ने भी मामला दर्ज कराया है। एनजीटी द्वारा गठित की जाने वाली कमेटी धमाके के कारणों की भी जांच करेगी।

सूरत एथर कंपनी में आग लगने के ६ दिन बाद नमूने लेने पहुंची एफएसएल टीम। कल दोपहर को टीम सैंपल लेने पहुंची। दोपहर बाद टीम पहुंची तो आधा ही काम हुआ। दोबारा टीम सैंपल लेने पहुंचेगी। फोरेंसिक रिपोर्ट के बाद पुलिस शिकायत दर्ज करेगी। पुलिस शिकायत की फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। एथर कंपनी में आग लगने के बाद एफएसएल ने स्ट्रक्चरल रिपोर्ट के बाद सैंपल लेने पर जोर दिया।

आग लगने की घटना में अब तक ९ लोगों की मौत हो गई और २६ लोग घायल हो गए। अग्निकांड मामले में गठित कमेटी की जांच पूरी होने वाली है। आग `थर में मौजूद टेट्राहाइड्रोफ्यूरान सॉल्वेंट के कारण लगने की बात सामने आई है। जांच समिति ने निष्कर्ष निकाला कि टेट्राहाइड्रोफ्यूरान के कारण टैंक में विस्फोट हुआ। जांच कमेटी की जांच में आग लगने का कारण सामने आया और कमेटी फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। जांच कमेटी को अपनी रिपोर्ट सौंपने का कल आखिरी दिन है। जांच कमेटी बुधवार शाम तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग एथर के मालिकों के खिलाफ अदालत में मामला दायर करेगा। जांच कमेटी की विस्तृत रिपोर्ट के बाद पुलिस शिकायत के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। पुलिस शिकायत में किन धाराओं में केस दर्ज करना है, इसे लेकर फैसला लिया जाएगा।

# एथर कंपनी में आग से झुलसे कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत, मरने वालों की संख्या बढ़कर ९ हुई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

**इससे पहले ८ मजदूरों की मौत हो चुकी है वहीं कुल मरने वालों की संख्या बढ़कर ९ हो गई**

सूरत के सचिन जीआईडीसी स्थित एथर कंपनी में लगी भीषण आग में एक और व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई है। इससे पहले ८ मजदूरों की मौत हो चुकी है वहीं कुल मरने वालों की संख्या बढ़कर ९ हो गई है। जबकि २७ से ज्यादा लोग घायल हुए थे। जिनमें से पांच कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस जाने के कारण उनका अभी भी विभिन्न निजि अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

सचिन जीएडीसी की एथर इंडस्ट्रीज कंपनी के ८ कर्मचारी ४० वर्षीय प्रमोद मदारी का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा था। इसी बीच बीती रात ११ बजे उनकी मौत हो गई। आग में गंभीर रूप से झुलसे एक और मजदूर की मौत से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। ४० वर्षीय प्रमोद मदारी गौतम को इलाज के लिए एप्पल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। एथर मिल में लगी आग में अब तक कुल ९ मजदूरों की मौत हो चुकी है।

# फैक्ट्री में लिफ्ट के जाल में फंसने से १५साल के लड़के की मौत, परिवार ने खोया बेटा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना इलाके में रूपाली इंडस्ट्रीज की एक फैक्ट्री में १५ साल के लड़के की मौत हो गई है। लिफ्ट के जाल में गला फंसने से किशोर का दम घुट गया। अस्पताल ले जाने से पहले ही किशोर की मौत हो गई। हादसे के बाद यह बात सामने आई है कि कम उम्र के किशोरों से काम लेने के कानून का भी उल्लंघन किया गया है।

उधना रूपाली इंडस्ट्री की एक फैक्ट्री में एक अजीब दुर्घटना में १५ वर्षीय बाल मजदूर मंगल सुख बदन सिंह की मौत हो गई। मध्य प्रदेश से सूरत आया एक किशोर अपने दोस्तों के साथ लुम्स कारखाने में काम करके कुछ रुपये कमाता था। इसी दौरान लिफ्ट के जाल में उसका गला फंस जाने से उसकी मौत हो गयी। पता चला है कि मृतक किशोर माता-पिता का एकलौता बेटा है।

मंगल सुख बदन सिंह... मृतक के दोस्त मनोज ने बताया कि मंगल मूल रूप से मध्य प्रदेश का रहने वाला है। १५ दिन पहले मंगल अपने चाचा के साथ सूरत घूमने आया था। उसके बाद चाचा वापस गांव जा रहे थे लेकिन मंगल गांव के दोस्तों के साथ रूक गया। वह एक कमरे में ५ लोग रहते थे। दोस्त सांचा खाते में पानी भरने का काम कर रहे थे तो मंगल भी कुछ रुपए कमाने के लिए दिन में काम कर रहा था। घटना आज सुबह की है। मंगल काम पर था। वह लिफ्ट में बैठकर दूसरी मंजिल पर जा रहा था तभी उसकी गर्दन लिफ्ट के जाल में फंस गयी तो मंगलने शोर मचाया था। इससे पहले कि उसके दोस्त उसकी मदद के लिए आते, मंगल का दम घुट गया और वह बेहोश हो गया। लिफ्ट के जाल से निकालकर दोस्त उसे १०८ से सिविल अस्पताल में इलाज के लिए ले गए। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने मंगल को मृत घोषित कर दिया।

# पांडेसरा में महज १५०० रुपये के लिए एक युवक की चाकू से वार कर हत्या

## जब मृतक ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो आरोपी भड़क गया और चाकू से वार किया

## चाकू मारने के बाद आरोपी हाथ में चाकू लेकर भागा तो पुलिस ने गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में मामूली रकम लेने के चक्कर में एक युवक की हत्या कर दी गई। महज १५०० रुपये के लिए एक दोस्त ने दोस्त की चाकू से हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। दोस्त की हत्या करने के बाद आरोपी ने खून से सना चाकू हाथ में लेकर भागने की कोशिश की लेकिन रास्ते में ट्रैफिक पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और पूछताछ की। अब पुलिस ने हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

सूरत के पांडेसरा इलाके में हत्या का मामला सामने आया। ३३ वर्षीय आशीष उर्फ टीकर पांडे पांडेसरा कैलाश चौक के पास ईश्वर नगर सोसायटी में खड़ा था, तभी आरोपी कालिकाप्रसाद उर्फ करण जीतनारायण तिवारी वहां आया और कुछ दिन पहले रुपयों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद के बाद आशीष पर चाकू से वार कर दिया। हत्या की घटना को लेकर काफी अफरातफरी मची रही। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस का जाब्ता मौके पर पहुंचा और घायल आशीष को १०८ की मदद से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपी कैलाश नगर चार रोड की तरफ भागा तो पुलिस की एक टीम उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे लग गई। इसी दौरान कैलाश नगर चार रास्ता पर ट्रैफिक व्यवस्था के लिए काम कर रहे पुलिसकर्मियों ने आरोपी को हाथ में खून से सना चाकू ले जाते हुए देखा तो उसे रोका और पूछताछ की, तभी पुलिस की पीसीआर वैन वहां पहुंच गई और आरोपी को तेजी से पकड़कर ले गई।

घटना को लेकर एसीपी जेड. आर. देसाई ने कहा कि आशीष और आरोपी कालिकाप्रसाद उर्फ करण पहले दोस्त थे। कालिकाप्रसाद को आशीष से १५०० रुपए लेने थे। जो बार-बार रुपये मांगने के बावजूद आशीष नहीं दे रहा था। कालिकाप्रसाद ने सूरत छोड़ दिया। इस बीच कल सूरत आने पर सुबह से ही पैसों के लिए आशीष की तलाश में था। शाम को ईश्वर नगर के गेट के पास आशीष को पाकर उसने पैसे मांगे, जिसमें आशीष ने पैसे देने से इनकार कर दिया। इस पर कालिकाप्रसाद ने उस पर चाकू से वार कर दिया और आशीष की मौत हो गई। इस घटना में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

# रांदेर से 12.89 ग्राम प्रतिबंधित दवा मेफेड्रोन के साथ पठान दंपत्ति को पकड़ा

## एमडी ड्रग्स का कारोबार करनेवालों को रिहायशी इलाके से गिरफ्तार किया

## रांदेर से ड्रग्स मामले में गिरफ्तार दंपती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के ड्रग हब रांदेर से एक और मात्रा में ड्रग्स जब्त किया गया है। इस बार रांदेर पुलिस ने पति-पत्नी को मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार जोड़े के पास से १२.८९ ग्राम ड्रग्स बरामद करने में सफलता हासिल की है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी दंपत्ति को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। मेफेड्रोन ड्रग्स की मात्रा लेकर आए पति-पत्नी को ड्रग्स की मात्रा के साथ पकड़ा गया। पुलिस इन्हें रिहायशी इलाके से गिरफ्तार करने में सफल रही है। रांदेर के ताड़वाड़ी गोमतीनगर से अयूब खान पठान और उसकी पत्नी फरजाना पठान को एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था।

वांछित आरोपी दिलीप उर्फ टकलो और जुबेदाखातुन जो इन दोनों को नशीली दवाओं की मात्रा की आपूर्ति करते थे उन्हे वांछित घोषित कर दिया गया है। आरोपियों के पास से मादक पदार्थ मेफेड्रोन ड्रग्स वजन १२.८९ ग्राम कुल कीमत १,२८,९०० रुपये और पांच मोबाइल फोन जब्त कर जांच शुरूकर दी गई है।

# छोटे उद्यमियों और व्यापारियों के लिए मुंबई के बड़े औद्योगिक घरानों के साथ व्यापार करने के नए क्षितिज खुलेंगे

## एसजीसीसीआई अध्यक्ष और मंत्री मुंबई में बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महानिदेशक संदीप खोसला के साथ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

**एसजीसीसीआई अध्यक्ष और मानद मंत्री ने मिशन ८४ के तहत मुंबई में बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक संदीप खोसला के साथ बैठक की और विस्तृत चर्चा की**

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष रमेश वघासिया और मानद मंत्री निखिल मद्रासी ने एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन ८४ के तहत मुंबई में बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महानिदेशक संदीप खोसला के साथ बैठक की। चैंबर अध्यक्ष ने उनके सामने मिशन ८४ प्रोजेक्ट का प्रेजेंटेशन दिया और भारत से निर्यात बढ़ाने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से इस प्रोजेक्ट के महत्व के बारे में उनसे विस्तृत चर्चा की। उन्होंने ऐसी व्यवस्था करने का प्रयास करने का अनुरोध किया ताकि मुंबई के बड़े औद्योगिक घराने सूरत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमियों और व्यापारियों से विभिन्न उत्पाद खरीद सकें।

एसजीसीसीआई के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महानिदेशक को मिशन ८४ प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी और कहा कि चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भारत से निर्यात बढ़ाने के लिए मिशन ८४ प्रोजेक्ट के तहत एक ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय मंच बनाया है, जिसके साथ भारत के ८४,००० उद्यमी जुड़े हैं। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कारोबार करने वाले ८४,००० व्यापारियों को अपने साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी प्रकार, भारत के ८४ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स और दुनिया के ८४ देशों के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स को इस ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाने के लिए बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जिसके तहत चैंबर अध्यक्ष ने बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से इस पोर्टल से जुड़ने का अनुरोध किया है। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स में ३५०० से अधिक बड़े औद्योगिक घराने सदस्य हैं। इसके अलावा, भारत में कार्यरत ८४ देशों के महावाणिज्य दूतों और दुनिया के ८४ देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राजदूतों को भी इस पोर्टल पर जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

बीसीसीआई महानिदेशक संदीप खोसला एसजीसीसीआई के मिशन ८४ प्रोजेक्ट से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने चैंबर अध्यक्ष से अधिक जानकारी मांगी। एसजीसीसीआई द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वह मिशन ८४ का पूरा समर्थन करेंगे और इसके सदस्यों को ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय पोर्टल पर शामिल करेंगे। मुंबई के बड़े औद्योगिक घराने उनके सदस्य हैं, इसलिए वे इन औद्योगिक घरानों के मालिकों सहित एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल सूरत लाएंगे और सूरत के उद्योगपतियों और व्यापारियों के साथ वन टू वन व्यापारिक बैठकें की जाएंगी।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के माननीय मंत्री निखिल मद्रासी ने उनसे ऐसी व्यवस्था करने का अनुरोध किया ताकि उन्हें सूरत के एमएसएमई उद्योगपतियों और व्यापारियों से उत्पाद मिल सकें, जबकि मुंबई के बड़े औद्योगिक घरानों को देश के अन्य स्थानों और विदेशों से उत्पाद मिलते हैं।

# प्रदेशभर की ज्वेलरी दुकानों में कम कैरेट के गहने बेचने वाले गिरोह के ६ आरोपी सूरत में गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

**उत्राण पुलिस द्वारा गिरफ्तार गिरोह**

सूरत समेत राज्य के अलग-अलग शहरों में सोने के आभूषण खरीदने के बाद उसमें ५ से ७ कैरेट के मिश्रित धातु के आभूषणों ९१६ मार्का के साथ बेचनेवाले गिरोह गिरफ्तार हुआ। उत्राण पुलिस ने कम गुणवत्ता वाली सोने की चेन बेचकर ज्वैलर्स के साथ धोखाधड़ी करने वाले ६ आरोपियों को गिरफ्तार किया है और आगे की जांच कर रही है। आरोपी कम गुणवत्ता वाली सोने की हॉलमार्क वाली चेन ऊंचे दामों पर दुकानदारों को बेचते थे। वे बदले में २२ कैरेट की असली सोने की चेन खरीदकर दुकानदार से ठगी करते थे। निम्न गुणवत्ता की सोने की चेन आरोपियों ने स्वयं बनाई थी। इसमें एक ९१६ हॉलमार्क वाली चेन भी शामिल है। जिसमें सोना कम और अन्य धातुओं को ज्यादा रखकर २२ कैरेट सोने की चेन बनाकर बेचते थे।